छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 120 बैकुंठपुर, शनिवार 07 फरवरी 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

प्रतिबंधित ई-सिगरेट, वेप एवं फ्लेवर लिक्विड बिक्री के मामले में 02 गिरफ्तार

मोबाइल व गिफ्ट गैलरी दुकान से पुलिस टीम ने 40 चाइनीज चाकू भी जब्त किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रतिबंधित ई-सिगरेट, वेप एवं फ्लेवर लिक्विड बिक्री के 02 मामलों में दो आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने 55 हजार रुपये का नशीला पदार्थ और चाइनीज चाकू जप्त किया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के निर्देशन व नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आबकारी, कोतवाली एवं थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा पहली बार ई-सिगरेट के मामले में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने जांच में पाया कि मोबाइल व गिफ्ट गैलरी दुकान एवं पान दुकान व डेली निड्स के आड़ में प्रतिबंधित सामान युवाओं को खपाया जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक 05 फरवरी को थाना मणीपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल रोड में मणीपुर स्कूल के सामने अमित मोबाइल व गिफ्ट गैलरी दुकान में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट एवं उसके साथ में उपयोग में आने वाली वस्तुओं की बिक्री हो रही है। पुलिस टीम मौके पर गई तो मोबाइल व गिफ्ट गैलरी दुकान में अमित अग्रवाल पिता सुरेश अग्रवाल 35 वर्ष निवासी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रोड मणीपुर मिला। पूछताछ करने पर वह इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट एवं फ्लेवर की बिक्री करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर दुकान में फ्लेवर लिक्विड 148 नग कीमत 14100 रुपये, 16 नग वेप, ई-सिगरेट 02 नग, 12 नग ब्रेन फ्रीजर फ्लेवर मिला, जिसकी कुल कीमत 49 हजार 400 रुपये थी। दुकान से चाइना चाकू 40 नग जप्त किया गया।

दूसरे मामले में जिला आबकारी उड़नदस्ता टीम एवं थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि स्कूल रोड में वाणीदूत एसटीडी पीसीओ के सामने एक पान ठेला व डेली नीड्स दुकान में इलेक्ट्रानिक सिगरेट की बिक्री हो रही है। मौके पर रेड कार्रवाई के दौरान दुकान संचालक सुशील कुमार केशरी पिता स्व. प्रेमचंद केशरी 35 वर्ष मिला। पूछताछ करने पर वह इलेक्ट्रानिक सिगरेट रखना व विक्रय करना स्वीकार किया। दुकान से इलेक्ट्रानिक सिगरेट का 24 नग रिफिल कीमत 960 रुपये और 10 नग फ्लेवर कीमत 4000 रुपये निकालकर पेश किया, जिसे पुलिस टीम ने जप्त कर लिया है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो एवं नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में की गई। टीम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, कोतवाली थाना से उप निरीक्षक विजय गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक अदीप प्रताप सिंह व अनिल पाण्डेय, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, आरक्षक लालबाबू सिंह, सत्येंद्र दुबे, रामशंकर यादव, उमाशंकर साहू, अनिल सिंह, घनश्याम राजवाड़े एवं जिला आबकारी उड़नदस्ता टीम शामिल रहे।

बीएनएस, कोटपा एक्ट के साथ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

इलेक्ट्रानिक सिगरेट का उपयोग करने से लोक स्वास्थ्य पर खतरा होना पाए जाने पर पुलिस ने इलेक्ट्रानिक सिगरेट उत्पाद, विनिमार्ण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय वितरण, भण्डारण और विज्ञापन प्रतिषेध अधिनियम 2019 की धारा 7-8 व बीएनएस की धारा 270, कोटपा एक्ट की धारा 6 (ख) के तहत दुकान संचालकों के विरूद्ध कार्रवाई की है। मौके पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के साथ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का इस्तगासा भी न्यायालय में पेश किया गया है।

ई-सिगरेट एवं फ्लेवर लिक्विड की लत से भावी पीढ़ी को बचाएं

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा भावी पीढ़ी को नशे की लत से बचाने एवं ऐसे नशे के विरुद्ध जागरूक करने हेतु मामले को संज्ञान में लेकर जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख प्रधानाचार्य, प्राचार्यों, संचालकों एवं छात्र-छात्राओं के स्वजनों, संरक्षको से अपील जारी करके कहा है कि ई-सिगरेट एवं फ्लेवर लिक्विड की लत भावी पीढ़ी को प्रभावित कर रही है, ई-सिगरेट से होने वाली हानि के बारे में युवा पीढ़ी को जागरूक करना आवश्यक है। युवाओं, छात्र-छात्राओं को सचेत करने, नशे की लत से छुटकारा दिलाने के क्रम में समाज का साथ आवश्यक है, ताकि इस प्रतिबंध को धरातल पर पूर्ण रूप से लागू किया जा सके। इस प्रकार के नशे से संबंधित सार्थक सूचना आम नागरिक कंट्रोल रूम में 94791 93599 नंबर पर अपनी शिकायत अथवा सूचना दर्ज करा सकते है।

शहर के हृदयस्थल से लगे होटल के पास चली गोली, मौके पर पहुंचे आईपीएस

पुलिस ने फिलहाल फायरिंग से इन्कार, कुछ लोगों ने दो बार धमाके की सुनी आवाज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के हृदयस्थल से लगे देव होटल के समीप शुक्रवार की शाम फायरिंग की सूचना से हड़कम्प मच गया। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारियों के अलावा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने फायरिंग की घटना से इन्कार किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि देव होटल के पास गोली चलने जैसी कोई घटना हुई हो, ऐसा फिलहाल सामने नहीं आया है। गांधीनगर थाना क्षेत्र में बनारस रोड पर शाम करीब 5.30 बजे दो गुटों के बीच पुराना विवाद सामने आया था, जिसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की गाड़ी पर डंडा फेंका था, और हनी सिंह नामक युवक को रूकवाने का प्रयास किया था। इस पर उन्हें गांधीनगर थाना में अपराध दर्ज कराने कहा गया है, ताकि मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई की जा सके। इधर फायरिंग की सूचना पर नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल, डीएसपी अश्वनी सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी शशिकान्त सिन्हा, गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने देव होटल में भाजपा के वरिष्ठ नेता मेजर अनिल सिंह और होटल संचालक से भी बातचीत की। बात देव होटल परिसर के अंदर दो राउंड फायरिंग की भी हो रही है, हालांकि पुलिस की जांच में ऐसा कोई भी तथ्य समाचार लिखने तक सामने नहीं आया है। इसके बाद भी पुलिस सभी पहलुओं को लेकर गंभीर है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

> फायरिंग का मामला सामने आया है, जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्य के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।
>
> **अमोलक सिंह ढिल्लो,**
> **अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा**

अंबिकापुर। मां अन्नपूर्णा ज्वेलर्स गुदरी चौक में मध्य प्रदेश की पुलिस टीम ने छापामार कार्रवाई की है। कार्रवाई के बीच पुलिस दुकान में रखे ज्वेलरी को बारीकी से पुलिस खंगाल रही है। मामला चोरी की ज्वेलरी से जुड़ा है या कुछ और स्पष्ट नहीं हो पाया है।

व्याख्याता एलबी पर लगे थे गंभीर आरोप, निलम्बित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेंड्राकला में पदस्थ व्याख्याता एलबी युवनाश यादव को गंभीर आरोपों के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा 03 फरवरी 2026 को जारी आदेश के तहत की गई है।

व्याख्याता एलबी युवनाश यादव पर लगे आरोपों की जांच जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा ने कराई थी। जांच में छात्राओं के साथ आपत्तिजनक व्यवहार, स्कूल परिसर में शराब पीना, ड्यूटी के दौरान मोबाइल में व्यस्त रहना और कर्तव्यों में लापरवाही बरतने जैसे आरोप सिद्ध पाए गए। उनके आचरण को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3, 22 एवं 23 के विरुद्ध पाऐ जाने पर उन्हें नियम 9 के तहत निलम्बित किया गया है। निलम्बन अवधि में उनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, अंबिकापुर निर्धारित किया गया है। इन्हें शासन के नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

सूने गोदाम से चोरी के मामले में खरीददार सहित 03 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूने गोदाम से चोरी के मामले में खरीदादार आरोपी समेत तीन लोगों को गांधीनगर थाना पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है, इनके पास से 70 हजार रुपये का सामान जप्त करने में पुलिस सफल हुई है। आरोपियों के कब्जे से 02 समरर्सिबल पम्प, 02 टुल्लू पम्प, एल्युमीनियम के टुकड़े के अलावा घटना में प्रयुक्त ऑटो जप्त किया है।

जानकारी के मुताबिक अशोक कुमर अग्रवाल निवासी बनारस रोड जवाहर मार्केट थाना गांधीनगर ने 04 फरवरी को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 03-04 फरवरी के बीच अज्ञात चोर गोदाम का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और गोदाम में रखे समरर्सिबल पंप, कटर, ग्रेन्डर, बढ़ई गिरी का सामान, मोटर, एल्युमीनियम के टुकड़े व अन्य सामान चोरी करके ले गए। रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में लगी पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपी तनुज चौबे पिता अनिल 26 वर्ष निवासी बाजार के पास थाना गांधीनगर को पकड़ा। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने घटना दिनांक को गोदाम से चोरी करना स्वीकार किया। इनके द्वारा चोरी के सामान को बोरा में भरकर पूर्व परिचित ऑटो रिक्शा क्रमांक सीजी 15 ईजी 6252 में चालक विक्की राय के साथ ले गए थे, जो पहले से चौक में खड़ा था। ऑटो चालक को इन्होंने चोरी के सामान के बारे में बताकर बेचने से प्राप्त रकम को बांटने की बात कही थी। इसके बाद चोरी के सामान को सदर रोड स्थित अम्बिकेश गुप्ता के बर्तन दुकान में बेच दिया था, शेष सामान स्वयं के पास होना बताया। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर आरोपी विक्की राय पिता दीपक राय 30 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 03 फुन्दुरडिहारी बनारस रोड, अम्बिकेश गुप्ता पिता काशीचंद गुप्ता 42 निवासी अग्रसेन चौक दरोगा कुआं को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी तनुज के निशानदेही पर 02 नग समरर्सिबल पम्प व अम्बिकेश गुप्ता के घर से 02 नग टुल्लू पम्प एवं एल्युमिनियम के टुकड़े बरामद किया है। पुलिस ने विक्की राय के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ऑटो जप्त किया है। आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक उप निरीक्षक सुभाष ठाकुर, आरक्षक रमन मण्डल, राहुल सिंह, कुंदन पाण्डेय सक्रिय रहे।

वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में शेष बजट की राशि खपाने की परिपाटी हुई खत्म

वर्ष 2025-26 के बजट की प्रावधानिक राशि से 15 फरवरी के बाद क्रय पर प्रतिबंध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित बनाए रखने के उद्देश्य से वित्त विभाग द्वारा स्थायी निर्देश जारी किए गए हैं। नए निर्देशों के अनुसार प्रदेश में 15 फरवरी 2026 के बाद वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधानों से किसी भी प्रकार की नई सामग्री की खरीदी या क्रय आदेश जारी करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। वित्त विभाग के इस आदेश का मुख्य उद्देश्य राज्य की वित्तीय स्थिति को संतुलित रखना है। देखा जाता है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम महीनों में अनेक विभागों द्वारा जल्दबाजी में केवल बजट उपयोग करने की दृष्टि से आवश्यकता नहीं होने पर भी सामग्री क्रय की जाती है, जिससे शासन की राशि अनावश्यक रूप से अवरूद्ध हो जाती है, इसे वित्त विभाग ने शासन के हित में अनुचित माना है। नए नियमों के तहत विभागों को न केवल 15 फरवरी के बाद नए ऑर्डर देने से रोका गया है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने कहा गया है कि 15 फरवरी तक जारी किए गए सभी ऑर्डर्स का भुगतान हर हाल में 15 मार्च तक पूरा कर लिया जाए। हालांकि, जनहित और आवश्यक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण मदों को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा है, जिसमें केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना, केन्द्र प्रवर्तित योजना, विदेशी सहायता प्राप्त परियोजना, केन्द्रीय वित्त आयोग की अनुशंसा पर प्राप्त अनुदान, नाबार्ड पोषित योजना, सिडबी, राष्ट्रीय आवास बैंक तथा विशेष केन्द्रीय सहायता पोषित परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु क्रय की जाने वाली सामग्री पर यह नियम लागू नहीं होगा। इसी प्रकार निर्माण विभागों (लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) एवं वन विभाग से संबंधित चालू परियोजनाओं में भंडार की स्थिति का आंकलन करने के उपरांत आगामी एक माह में उपयोग आने वाली सामग्री। जेलों, शासकीय एवं राज्य कर्मचारी बीमा योजनान्तर्गत चल रहे अस्पतालों तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित छात्रावासों व आश्रमों में भोजन, कपड़ा, दवाईयों का क्रय तथा अन्य प्रासंगिक व्यय। पोषण आहार हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रदाय किए जा रहे खाद्यान का क्रय तथा परिवहन। आसवनियों से खरीदी गई देशी मदिरा का क्रय। पेट्रोल, डीजल, वाहन मरम्मत एवं प्रतिस्थापन मद से वाहनों के क्रय से संबंधित व्यय। लेखन सामग्री से संबंधित क्रय रुपये 5,000 तक। रुपये 5,000 तक अन्य आकस्मिक क्रय के देयक, प्रथम अनुपूरक अनुमान में किए जाने वाले प्रावधानों के विरूद्ध क्रय पर यह नियम लागू नहीं होगा।

15 फरवरी या इसके पश्चात वित्त विभाग द्वारा दी गई स्वीकृति से किए गए क्रय

जारी आदेश के फलस्वरूप 15 फरवरी 2026 के पश्चात से चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक क्रय के लिए विभिन्न स्तरों पर छत्तीसगढ़ वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन भाग-1 एवं 2 में प्रदत्त शक्तियों अधिक्रमित रहेंगी। निर्देशों में किसी प्रकार का शिथिलीकरण केवल वित्त विभाग की अनुमति से किया जाएगा। प्रतिबंध लोकभवन सचिवालय, छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय, मुख्यमंत्री निवास तथा मुख्यमंत्री सचिवालय (पेंट्री), उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों पर लागू नहीं होगा।

ट्रैफिक सिग्नल स्थलों पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग हटाने चला विशेष अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अंबिकापुर द्वारा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं तिराहों पर स्थापित ट्रैफिक सिग्नलों के आसपास लगाए गए विज्ञापन पोस्टर, बैनर एवं होर्डिंग हटाने के लिए शुक्रवार को विशेष अभियान चलाया। ज्ञात हो कि निगम द्वारा 03 जनवरी 2024 को समाचार पत्रों में प्रकाशन के माध्यम से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत ट्रैफिक सिग्नलों पर विज्ञापन प्रदर्शन, स्थापना, संचालन एवं संधारण का कार्य एजेंसी को प्रदान किया गया है। शर्तों के अनुसार राघव एडवरटाइजिंग, रायपुर द्वारा प्रति चौक 14,251 रुपये वार्षिक विज्ञापन शुल्क निगम में जमा करते हुए ट्रैफिक सिग्नलों की स्थापना एवं संधारण का कार्य किया जा रहा है। नगर निगम कमिश्नर डीएन कश्यप ने बताया कि शहर के विभिन्न ट्रैफिक सिग्नल स्थलों पर लगाए गए विज्ञापनों को समय-समय पर हटाने की कार्रवाई की जाती है। इसी क्रम में पुनः विशेष अभियान चलाकर चौक-चौराहों से सभी बैनर, पोस्टर होर्डिंग सामग्री हटाने की कार्रवाई की जा रही है। निगम प्रशासन ने नागरिकों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं विज्ञापन एजेंसियों से अपील की है कि बिना अनुमति के किसी भी सार्वजनिक स्थल पर पोस्टर, बैनर या होर्डिंग न लगाएं। उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बस की ठोकर से कार के परखच्चे उड़े, चालक बाल-बाल बचा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधी चौक में तेज रफ्तार बस ने एसयूव्ही कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें कार की दुर्गति हो गई, चालक बाल-बाल बच गया। बताया जा रहा है कि अंबिकापुर से गढ़वा जा रही बस के चालक ने देर रात करीब एक बजे लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एसयूव्ही कार को चपेट में ले लिया था। हादसे के बाद बस सहित चालक मौके से निकल गया। घटना के बाद देर रात मौके पर लोगों का मजमा जमा हो गया, एसयूव्ही सवार को सुरक्षित देखकर सभी ने राहत की सांस ली। घटना गांधीनगर पुलिस के संज्ञान में आया है, जिस पर पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से बिना देवी को मिल रही राहत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप प्रत्येक परिवार को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से लाभार्थियों को बढ़ते बिजली बिल से राहत मिल रही है साथ ही वे पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं।

नगर पंचायत राजपुर निवासी श्रीमती बिना देवी ने अपने घर की छत पर तीन किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर योजना का लाभ लिया है। सोलर सिस्टम लगवाने से उनके घर के बिजली की आवश्यकता अब सौर ऊर्जा से पूर्ण हो रही है। वे बताती हैं कि सोलर संयंत्र स्थापना से पहले उन्हें प्रत्येक माह अधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा था। बढ़ती बिजली बिल को देखते हुए उन्होंने सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। और अब वे योजना के लाभ से बिजली बिल के लिए निश्चिंत रहती है। श्रीमती बिना देवी ने योजना के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने पर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इसके तहत एक किलोवाट पर 45 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा तीन किलोवाट क्षमता पर 1 लाख 08 हजार रुपये की अनुदान राशि दी जा रही है, जिससे आमजन के लिए सोलर पैनल स्थापित कराना और अधिक सुगम हो गया है।

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल शुक्ला की उपस्थिति में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. शशांक गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री स्मृति एक्का सहित समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल पदाधिकारी, कंसल्टेंट, खंड चिकित्सा अधिकारी, खंड कार्यक्रम प्रबंधक, मेडिकल ऑफिसर, बीडीएम एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में संयुक्त संचालक डॉ. अनिल शुक्ला ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली, नेक्स्ट जेन पोर्टल, गैर संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम तथा वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए मदवार व्यय की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। एनसीडी कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि पंजीकृत सभी मरीजों का नियमित, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण फॉलो-अप अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर संयुक्त संचालक ने विकासखंड रामानुजगंज एवं राजपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) की प्रगति के संबंध में कारण बताओ नोटिस तथा उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) प्रबंधन में प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर विकासखंड शंकरगढ़ तथा एएनसी जांच की संख्या कम पाए जाने पर विकासखंड कुसमी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर होने वाली समस्त प्रविष्टियां संबंधित स्वास्थ्य केंद्र के आर.एच.ओ. तथा सी.एच.ओ. के द्वारा करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में संयुक्त संचालक ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रमों अंतर्गत उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान, निगरानी एवं समय पर रेफरल, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा, पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बाल टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की एवं निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन, कुष्ठ रोग (लेप्रोसी) उन्मूलन, मलेरिया एवं फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों की भी समीक्षा की। बैठक में टीबी एवं कुष्ठ रोग उन्मूलन हेतु पृथक एवं लक्ष्य आधारित कार्य योजना तैयार कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों की स्थापना एवं संचालन की समीक्षा करते हुए जिले में आवश्यकतानुसार नए जन औषधि केंद्र खोलने के निर्देश दिए, जिससे आम नागरिकों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराई जा सकें।

बैठक में डॉ. शुक्ला ने सभी अधिकारियों को दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। संयुक्त संचालक ने समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को सुचारू रखने, आवश्यक औषधियों, उपकरणों एवं मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा प्रदत्त सेवाओं की गुणवत्ता में सतत सुधार लाने के निर्देश भी दिये। डॉ. शुक्ला ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिये, जिससे आम नागरिकों को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो।

रविन्द्रनगर पंचायत में विकास के नाम पर बड़ा खेल का आरोप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत रविन्द्रनगर में विकास कार्यों को लेकर उठे विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। पंचायत भवन रविन्द्रनगर में 6 फरवरी को जांच अधिकारी के समक्ष तैयार किए गए पंचनामा ने पंचायत प्रशासन की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

पंचायत के दर्जन भर निर्वाचित पंचों ने एकजुट होकर सड़क निर्माण, वित्तीय पारदर्शिता और सरपंच सचिव की भूमिका पर तीखे आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत रविंद्रनगर में सरपंच सचिव के खिलाफ वार्ड पंचों ने उपसरपंच प्रकाश मंडल के खिलाफ कुछ महीने पहले ही कलेक्टर, जिला पंचायत व जनपद पंचायत सीईओ को ज्ञापन देकर निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाया गया था। इसी तारतम्य में अधिकारियों के निर्देश पर जांच अधिकारी नर्बदा सिंह के नेतृत्व में टीम द्वारा पंचायत में पहुंचकर जांच पंचनामा की कार्यवाही की गई। जांच पंचनामा में उपस्थित आरोप लगाने वाले उपसरपंच के अलावा दर्जनभर वार्ड पंचों के अनुसार पीडीएस भवन एवं नेक्सा गोदाम से दीपक राय के निवास तक सड़क निर्माण कार्य मनमाने ढंग से प्रारंभ कर दिया गया। न तो ग्राम पंचायत की बैठक में इस पर चर्चा हुई, न ही पंचों से किसी प्रकार की सहमति ली गई। पंचायत अधिनियम के तहत विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों को शामिल करना अनिवार्य है, लेकिन यहां नियमों की खुली अनदेखी की गई।पंचनामा में सबसे गंभीर आरोप सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर लगाए गए हैं। बताया गया कि सीमेंट-कांक्रीट रोड निर्माण के कुछ ही समय बाद गिट्टी उखड़ने लगी है। सड़क पर पानी की तराई तक नहीं की गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संबंधित निर्माण एजेंसी गुणवत्ता को लेकर पूरी तरह लापरवाह रहे हैं। यदि अभी हालात यह हैं, तो आने वाले मानसून में सड़क का टिकना मुश्किल है। पंचों ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत सचिव द्वारा बैठकों में किसी भी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की जाती। विकास कार्यों, भुगतान और योजनाओं की स्थिति को लेकर कोई विवरण प्रस्तुत नहीं किया जाता। पंचनामा में एक और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। पंचों का दावा है कि ग्राम पंचायत गठन की तिथि से आज तक कोरम पूरा हुए बिना ही पंचायत निधि से लाखों रुपए का आहरण किया गया है। पंचों का कहना है कि पंचायत के निर्माण कार्यों की देखरेख सरपंच पति एवं पंचायत के बाहर के व्यक्तियों द्वारा की जा रही है। निर्वाचित पंचों को न तो निगरानी में शामिल किया जाता है और न ही उन्हें कार्यस्थल पर बुलाया जाता है। इससे पंचायत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सीधी चोट पहुंच रही है। पंचों ने एकमत होकर पंचायत सचिव को तत्काल हटाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पंचों का कहना है कि यदि जिला पंचायत प्रशासन शीघ्र कार्रवाई नहीं करता, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

शासन के सहयोग और मेहनत से स्वावलंबन की मिसाल बनी बेलाल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। श्रीमती बेलाल अंसारी ने अपनी मेहनत, लगन और शासकीय योजनाओं से आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है, वे लखपति दीदी बनकर क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी है।

जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर अंतर्गत ग्राम विजयनगर की निवासी श्रीमती बेलाल अंसारी का परिवार एक समय में आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। परिवार की मासिक आय लगभग 1000 से 1500 के बीच ही थी। इस आमदनी में घर चलाना बहुत ही मुश्किल था। इन निराशाओं के बीच राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन उम्मीद की किरण बनी। अधिकारियों के मार्गदर्शन में उन्होंने स्व-सहायता समूहों से जुड़ने का निर्णय लिया। इस दौरान उन्हें नियमित बैठक एवं ग्राम भ्रमण से कार्य क्षेत्र में नई दिशा मिली। समूह की सहायता से आर्थिक मदद मिलने के साथ ही उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। श्रीमती बेलाल अंसारी बताती है कि समूह के माध्यम से उन्होंने व्यवसाय शुरू करने के लिए किश्तों में कुल 2 लाख 72 हजार 650 रूपये की राशि का ऋण लिया। इस पूंजी से उन्होंने विविध व्यवसाय जैसे कृषि, पशुपालन शुरू की, जिससे उनकी वार्षिक आय में निरंतर वृद्धि हुई और अब उनकी आय लाख रूपये तक पहुंच गई। साथ ही लखपति दीदी के रूप में पहचान बनाकर बेलाल अंसारी अब खुशी-खुशी जीवन व्यतीत कर रही है।

पीएमश्री सेजेस जयनगर में सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के निर्देशानुसार आज पीएमश्री सेजेस जयनगर में सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य पुष्पा राय एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा उनमें आत्मविश्वास, सृजनात्मकता और टीम भावना का विकास करती हैं। सांस्कृतिक प्रदर्शनी अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा कला, संस्कृति, नृत्य, नाटक, गायन, चित्रकला, प्रदर्शनी, विज्ञान, सामाजिक विषयों एवं नवाचार से संबंधित मॉडल एवं प्रदर्शनों को प्रस्तुत किया गया, जिन्हें उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों द्वारा सराहा गया।

विद्यार्थियों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों को भविष्य में इसी प्रकार मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में वीरेन्द्र जायसवाल, नेहा सिंह, सुनैना जायसवाल, अमृता सिंह, शशिशेखर शर्मा, खूबचंद राजवाड़े, मोनिका मलिक, पार्वती यादव, नेहा पांडेय, श्वेता सिंह, सुजाता पांडेय, प्रीति द्विवेदी, स्मृति श्रीवास्तव, रवि प्रकाश, अंकिता झा, निशा तिवारी, अंजली यादव, अवधेश राजवाड़े, नितिशा, विनिता, ममता पटेल व अन्य सक्रिय रहे।

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन करते पाए जाने पर 04 ट्रैक्टर वाहन जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले में खनिज के अवैध उत्खनन को रोकने के लिए उत्खनन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। जिसके तहत् राजस्व टीम द्वारा अवैध उत्खनन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर श्री नीरनिधि नन्देहा के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा अवैध उत्खनन व परिवहन करने वालों पर कार्यवाही की गई। टीम के द्वारा ग्राम कैलाशपुर में मोरान नदी में रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर 04 ट्रैक्टर वाहन को जब्त कर चौकी वाड्रफनगर को सुपुर्द किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र में मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कृषि विज्ञान केन्द्र बलरामपुर में 04 एवं 05 फरवरी 2026 को कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों तथा तकनीकी स्टाफ के लिए मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों को मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में मधुमक्खी पालन को वैज्ञानिक पद्धति से अपनाने, गुणवत्ता युक्त शहद उत्पादन को बढ़ावा देने तथा किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ. जी. के. निगम ने बताया कि मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित लाभकारी व्यवसाय है। बलरामपुर जिले की जलवायु एवं पर्यावरण मधुमक्खी पालन के लिए अत्यंत अनुकूल है, जिससे यह व्यवसाय लघु एवं सीमांत किसानों के लिए आय वृद्धि की अपार संभावनाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन कम पूंजी एवं कम श्रम में प्रारंभ होने वाला व्यवसाय है, जिसे कृषक खेती के साथ-साथ आसानी से अपना सकते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक वैज्ञानिक श्री अनिल कुमार सोनपाकर एवं वैज्ञानिक श्रीमती आरती कुजूर द्वारा मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन की आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन से केवल शहद ही नहीं, बल्कि मोम, रॉयल जेली, प्रोपोलिस जैसे अन्य मूल्यवान उत्पाद भी प्राप्त होते हैं, जिनकी बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. परमेश्वर ने बताया कि किसान यदि पारंपरिक खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाते हैं, तो वे अपनी आय में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकते हैं। डॉ. अनुप कुमार पॉल ने मधुमक्खी पालन की प्रक्रिया एवं फसल उत्पादन में इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. इंद्रपाल सिंह पैकरा एवं डॉ. अमीना अनिसा एक्का द्वारा मधुमक्खी पालन व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु कम लागत में 5 से 10 मधुमक्खी पेटियों के माध्यम से व्यवसाय शुरू करने का तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम सहायक श्री देवेन्द्र कुमार, श्री अर्पण खलखो सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बैंक मित्रों का 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत बैंक मित्रों का 05 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण जेंडर रिसोर्स सेंटर, बलरामपुर में 02 फरवरी से शुरू कर 06 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत बैंक मित्रों की क्षमता संवर्द्धन कर उन्हें स्व सहायता समूहों एवं बैंकिंग प्रणाली के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान बैंक मित्रों को स्व सहायता समूह के सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता, महत्त्व एवं इसके माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। प्रशिक्षण में बैंक मित्रों को उनके द्वारा संधारित किये जाने वाले विभिन्न अभिलेखों एवं दस्तावेजों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है, साथ ही उन्हें प्रायोगिक अभ्यास भी कराया जा रहा है, ताकि वे वास्तविक कार्यस्थल पर इन प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से क्रियान्वित कर सकें। दस्तावेजों के रख-रखाव, अद्यतन प्रविष्टियों, लेन-देन के सही रिकॉर्ड, स्व सहायता समूहों के खातों से संबंधित रजिस्टर के संधारण पर विशेष रूप से जानकारी देकर क्रियान्वयन करने के बारे में बताया गया।

बैंक मित्रों को बैंक में जमा-निकासी की प्रक्रियाओं के बारे में चरणबद्ध जानकारी दी जा रही है, ताकि वे ग्रामीण ग्राहकों को सरल एवं सुरक्षित बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध करा सकें। प्रशिक्षण में नकद लेनदेन की प्रक्रिया, पासबुक अद्यतन, खाता खोलने की मूलभूत जानकारियाँ तथा ग्राहकों को डिजिटल माध्यमों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स की अवधारणा, इसके कारण, प्रभाव तथा इससे बचाव के उपायों पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए हैं। बैंक मित्रों को समय पर ऋण वसूली, किश्तों की निगरानी, स्व सहायता समूहों के ऋण खाते सुचारू रूप से संचालित रखने तथा संभावित की स्थिति को रोकने से संबंधित व्यावहारिक सुझाव और रणनीतियां पर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण के माध्यम से बैंक मित्र अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर स्व सहायता समूहों के सदस्यों को अधिक प्रभावी बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के साथ ही वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देंगे तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने में सक्रिय सहभागीता निभाएंगे।

धान खरीदी अवधि में वृद्धि से शेष किसानों को मिला लाभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशों के परिपालन में राज्य शासन द्वारा किसानों से समिति के माध्यम से 05 एवं 06 फरवरी 2026 को भी धान खरीदी की जा रही है। किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य शासन द्वारा धान खरीदी की अवधि में 05 एवं 06 फरवरी 2026 तक की वृद्धि की गई है, जिससे शेष किसानों को भी अपनी उपज समर्थन मूल्य पर विक्रय करने का अवसर मिल सके।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी है। जिले में 31 जनवरी 2026 तक कुल 45 हजार 611 किसानों द्वारा 3000685.20 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया जा चुका है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा धान खरीदी की तिथि 05 एवं 06 फरवरी 2026 तक बढ़ाए जाने के निर्णय से जिले के शेष किसानों को भी बड़ा लाभ मिला है।

निर्धारित तिथि के तहत 05 फरवरी 2026 को 331 किसानों से 20 हजार 257 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। धान खरीदी केंद्रों में पर्याप्त संसाधन, बारदाना, तौल व्यवस्था एवं भुगतान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित रखा गया है, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित की जा रही है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से अखिलेश कुमार बने ऊजार्दाता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शासन की महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों के जीवन में उजियारा फैला रही है।इस योजना का लाभ उठाकर न केवल लोग बिजली बिल के बोझ से मुक्त हो रहे हैं, बल्कि बिजली बेचकर ऊजार्दाता की नई पहचान भी बना रहे हैं। लखनपुर के रहने वाले श्री अखिलेश कुमार राजवाड़े के लिए अब सूरज की किरणें केवल उजाला ही नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि भी लेकर आ रही हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अखिलेश ने अपने घर की छत पर 2 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है, जिससे उनका भारी-भरकम बिजली बिल अब पूरी तरह शून्य हो गया है।

उपभोक्ता से ऊजार्दाता तक का सफर

अखिलेश बताते हैं कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनका मासिक बिजली बिल 2,000 से 2,500 रुपए के बीच आता था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने गर्व से कहा कि पहले हम केवल बिजली के उपभोक्ता थे, लेकिन अब हम ऊजार्दाता बन गए हैं। अपनी जरूरत पूरी करने के बाद जो अतिरिक्त बिजली बचती है, उसे हम बैच्क्ब्स (छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) को बेच रहे हैं, जिसका भुगतान वित्तीय वर्ष के अंत में किया जाएगा।

शासन की सब्सिडी ने बनाया राह आसान

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की वित्तीय सुगमता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मिली सब्सिडी ने सोलर पैनल लगवाना बेहद किफायती बना दिया है। अखिलेश को केंद्र सरकार से 60,000 रुपए और राज्य सरकार से 30,000 रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है। इस योजना में उन्हें कुल 90,000 रुपए की आर्थिक मदद से मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना अब एक सुलभ निवेश बन गया है।

पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम

अखिलेश कुमार ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को पर्यावरण के लिए भी क्रांतिकारी बताया। उनके अनुसार, पारंपरिक बिजली उत्पादन में होने वाले प्रदूषण और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के मुकाबले सौर ऊर्जा पूरी तरह स्वच्छ है। इससे न केवल आर्थिक लाभ हो रहा है, बल्कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रदूषण मुक्त वातावरण भी तैयार कर रहे हैं।

आम जन से अपील

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर कमलेश ने अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताया और अन्य नागरिकों से भी इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है, बल्कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रतापपुर में धान खरीदी केंद्र व निर्माणाधीन कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति टुकुडांड के धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी की व्यवस्था, भौतिक सत्यापन की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम खोरमा में निमार्णाधीन इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर द्वारा ग्राम खोरमा नर्सरी के समीप निमार्णाधीन फिश हेचरी का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति, तकनीकी पहलुओं एवं भविष्य में स्थानीय रोजगार एवं मत्स्य पालन को होने वाले लाभों की जानकारी ली।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में हुआ पालक सम्मेलन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भैयाथान में शाला विकास समिति की अध्यक्ष श्रीमती बिराजो बाई की अध्यक्षता में पालक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में छात्राओं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी, छात्रवृत्ति, 10 फरवरी को आयोजित एमडीए अभियान में सहभागिता तथा छात्राओं को मिलने वाली दैनिक सुविधाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान अधीक्षिका से जानकारी लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही पालकों एवं छात्राओं से अलग-अलग संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और आवश्यकताओं को सुना गया। इस अवसर पर बीईओ एवं खंड बीआरसीसी भी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य छात्राओं की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करना रहा।

विविध प्रतियोगिता के साथ सीएसपीडीसीएल ने छात्रों के बीच मनाया रजत जयंती समारोह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य गठन के रजत जयंती के उपलक्ष्य में सीएसपीडीसीएल सुरजपुर द्वारा यहां शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, में छात्र-छात्राओं के बीच समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के विकास में विद्युत वितरण व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा उपभोक्ताओं एवं छात्र-छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि प्राचार्य सुनील कुजूर, रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ओमप्रकाश रजवाड़े जिला एनएसएस प्रभारी, जयनाथ केराम एवं अवध सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश लकड़ा, अधीक्षण अभियंता, वृत्त बैकुंठपुर ने की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बीते 25 वर्षों में कंपनी ने दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने तकनीकी उन्नयन, उपभोक्ता सेवाओं में सुधार एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा संगठन की उपलब्धियों, चुनौतियों एवं भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत छत पर सोलर पैनल स्थापना, सब्सिडी, बिजली बिल में बचत तथा ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई और योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गया। रजत जयंती समारोह के अवसर पर छात्रों के बीच निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला, पोस्टर निर्माण एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।निबंध लेखन में प्रथम रामानंद, द्वितीय जयप्रताप सिंह, तृतीय हेमंत रजवाड़े , चित्रकला में प्रथम राजवीर विश्वकर्मा, द्वितीय भूपेन्द्र सिंह, तृतीय रवि कुमार राय, क्विज में प्रथम टुकेश्वर रजवाड़े, द्वितीय सतेंद्र कुमार, तृतीय नितेश कुमार दास, भाषण में प्रथम देवनाथ सिंह मरकाम, द्वितीय विकास मिश्र, तृतीय हेमंत रजवाड़े। सभी विजेताओं को मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

धूमधाम से मना स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का वार्षिक उत्सव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल रामानुजनगर का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। जहां मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी के साथ अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्यजन उपस्थित रहे और स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत भारतीय संस्कृति और कला प्रदर्शनी का आनंद लिया। सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल रामानुजनगर के वार्षिक उत्सव में शानदार सांस्कृतिक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह सहित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती व छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह ने कहा कि भारतवर्ष में अनेक भाषा एवं संस्कृतियां विद्यमान हैं सभी राज्यों की अपनी अपनी भाषा संस्कृति और परंपराएं हैं अलग-अलग राज्यों की अलग-अलग संस्कृति परंपराओं के बाद भी हमारा भारत एक महान देश है। और यही अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की विशेषता है। जिसे आज यहां कल्चरल एक्सीवेशन में अलग अलग कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों ने उसे जीवंत कर दिया है। विधायक श्री सिंह ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ साथ खेल तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए एक सच्चे भारतीय होने पर गौरवान्वित महसूस करें। इस दौरान स्कूली बच्चों द्वारा हिन्दी, छत्तीसगढ़ी, मराठी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी, उत्तर और दक्षिण भारत तथा अन्य राज्यों की संस्कृति से जुड़े हुए गीत संगीत और नृत्य कलाओं के माध्यम से शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह, मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, शशि नाथ तिवारी,एस एस डी सी अध्यक्ष विकास दुबे, जनपद सदस्य सुमित साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर देवनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल साहू, महामंत्री सौभाग्य दुबे, अजजा मोर्चा के जिला महामंत्री सुंदर लाल सिंह, जनपद सदस्य मानिकचंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण दुबे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेश मरकाम, भाजयुमो अध्यक्ष संजीव गुप्ता, सरपंच राम सिंह, श्याम सुंदर राजवाड़े, गौरव मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी डी एस लकड़ा प्राचार्य पी सी सोनी सहित बड़ी संख्या में अभिभावकगण शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

08 फरवरी को सत्संग मंडली भजन प्रतियोगिता का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। एकल अभियान श्री हरि कथा प्रसार योजना अंचल सूरजपुर केंद्र रामानुजनगर द्वारा सत्संग मंडली भजन प्रतियोगिता का आयोजन 08 फरवरी को सुबह 10 बजे से शिव मंदिर प्रांगण किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में सूरजपुर अंचल के एकल अभियान श्री हरि कथा से जुड़ी मंडलियां ही भाग ले सकेंगी।

एकलव्य विद्यालयों प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि आज

सूरजपुर। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आज 7 फरवरी को ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति नई दिल्ली द्वारा जारी प्रवेश दिशा निर्देश वर्ष 2026-27 का अवलोकन करते हुये प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन एकलव्य विद्यालयों की वेबसाईट पर किया जा सकता है।

मशरूम उत्पादन ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण को दिया नया आयाम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। अदाणी फाउंडेशन रायगढ़ द्वारा संचालित सतत आजीविका विकास (एसएलडी) परियोजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन रही है। इस परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने मशरूम उत्पादन को आय का साधन बनाते हुए अब तक 5,51,000 लाख से अधिक की आय अर्जित की है। यह उपलब्धि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परियोजना के अंतर्गत 12 गाँवों की 100 महिलाओं को ऑयस्टर और पैडी स्ट्रॉ मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद उन्हें निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन, बीज, कच्चा माल तथा विपणन सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसका परिणाम यह हुआ कि महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे नियमित एवं स्थिर आय अर्जित कर पा रही हैं। केवल दो महीनों में 1000 किलो से अधिक मशरूम का उत्पादन किया गया, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1.60 लाख रही है। उत्पादन लगातार जारी है, जिससे समूहों की आय में और वृद्धि की संभावना है। मशरूम उत्पादन में आधुनिक तकनीक जैसे बाँस से बने ढाँचे और फॉगर तकनीक का उपयोग महिलाओं की दक्षता बढ़ा रहा है। विज्ञान-आधारित खेती को अपनाने से युवतियों और महिलाओं में आधुनिक कृषि पद्धतियों की समझ विकसित हुई है, जिससे गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में सुधार आया है। इसके साथ ही यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण और सर्कुलर इकोनॉमी को भी बढ़ावा दे रही है। बॉक्स और कृषि अपशिष्ट जैसे पुआल के उपयोग से उत्पादन लागत और कार्बन फुटप्रिंट में कमी आई है। उत्पादन के बाद बचा सब्सट्रेट जैविक खाद के रूप में खेतों में उपयोग हो रहा है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो रहा है। मशरूम की कम शेल्फ लाइफ को देखते हुए महिलाओं को प्रसंस्कृत उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। सूखे मशरूम, बड़ी, पापड़ और अचार जैसे उत्पाद स्थानीय दुकानों और सुपरमार्केट में मांग प्राप्त कर रहे हैं। इससे महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय स्त्रोत बने हैं और उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत हुई है। अदाणी फाउंडेशन भविष्य में इस पहल को और विस्तारित करते हुए स्वयं सहायता समूहों के लिए एक मॉडल सेंटर तथा स्पॉन उत्पादन यूनिट स्थापित करने की योजना पर कार्य कर रहा है। इससे सप्लाई चेन मजबूत होगी, बाहरी निर्भरता घटेगी और स्थानीय बाजारों में नियमित आपूर्ति सुनिश्चित होगी। रायगढ़ के 45 गाँवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सामुदायिक विकास के कार्यक्रमों के साथ यह मशरूम उत्पादन परियोजना ग्रामीण महिलाओं और युवाओं के जीवन में आय वृद्धि, पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के नए अवसर लेकर आई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री शामिल हुए मितानिनों सम्मेलन में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सरगुजा। जिले में उदयपुर ब्लॉक के रामगढ़ में मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने मितानिनों को सम्मानित करते हुए कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण एवं शहरी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे सशक्त और भरोसेमंद कड़ी हैं। शासन की स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा रही मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य की धुरी हैं। सरकार आपके हर प्रयास के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सम्मेलन में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। उदयपुर विकासखंड की 59 ग्राम पंचायतों से 389 मितानिन, 20 मितानिन ट्रेनर, दो ब्लॉक को-आर्डिनेटर और पांच विकासखंड समन्वयक शामिल हुए। कार्यक्रम का लक्ष्य पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य समस्याओं को उजागर कर संबंधित विभागों तक पहुंचाना था। मितानिनों ने अधिकारियों को क्षेत्रीय चुनौतियों से अवगत कराया, पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ा तथा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति को सक्रिय बनाने पर बल दिया। जिला समन्वयक अर्चना कुशवाहा ने बताया कि मितानिनें मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता के माध्यम से समुदाय सशक्त कर रही हैं। विकासखंड समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव व मानकुंवर प्रजापति ने उनकी भूमिका को स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत कड़ी बताया। इस वर्ष 85 स्वास्थ्य विभाग, 26 महिला-बाल विकास, 12 पीएचई, 12 खाद्य, 25 जनपद स्तर, 8 पुलिस, 5 विद्युत, 5 शिक्षा, 5 सेंट्रल बैंक व 7 विधायक स्तर के आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सभी पर तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की उपस्थिति ने आयोजन को और प्रभावी बनाया।

सम्पादकीय

बच्चों की मोबाइल गतिविधियों पर अभिभावक रखें पैनी नज़र

आज के डिजिटल युग ने बच्चों की दुनिया को जितना आसान बना दिया है, उतना ही जटिल भी कर दिया है। मोबाइल फोन, टैबलेट और इंटरनेट आज बच्चों की पढ़ाई, मनोरंजन और संवाद का अहम हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन यही तकनीक जब नियंत्रण से बाहर हो जाती है, तो बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए गंभीर खतरा बन जाती है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका केवल मोबाइल दिलाने तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि बच्चों की डिजिटल गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखना उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। आजकल साफ तौर पर देखा जा रहा है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों में चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी, नींद की समस्या और सामाजिक अलगाव को जन्म दे रहा है। लंबे समय तक मोबाइल पर गेम खेलने या सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले बच्चे परिवार और दोस्तों से कटने लगते हैं। वे वास्तविक दुनिया की गतिविधियों से दूरी बना लेते हैं, जिससे उनका भावनात्मक और सामाजिक विकास प्रभावित होता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार सलाह दे रहे हैं कि बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की स्पष्ट और सख्त सीमा तय की जाए। हाल ही में गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की आत्महत्या की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। 12, 14 और 16 साल की इन बच्चियों को कोरियाई लवर गेम की लत थी। बताया गया कि वे स्कूल तक छोड़ चुकी थीं और हर गतिविधि एक साथ करती थीं। सुसाइड नोट में लिखा गया "सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे।" यह घटना एक कड़वी सच्चाई को उजागर करती है कि डिजिटल लत किस हद तक बच्चों को अपनी गिरफ्त में ले सकती है। ऐसे में माता-पिता के लिए सबसे पहला कदम है समय सीमा निर्धारित करना। बच्चों के मोबाइल उपयोग के लिए प्रतिदिन का समय फिक्स होना चाहिए। इसके साथ-साथ गूगल फैमिली लिंक जैसे पेरेंटल कंट्रोल ऐप्स का इस्तेमाल कर स्क्रीन टाइम को सीमित किया जा सकता है और यह जाना जा सकता है कि बच्चे मोबाइल पर क्या देख रहे हैं। निगरानी के साथ-साथ संवाद भी उतना ही जरूरी है। बच्चों को केवल डांटना या मोबाइल छीन लेना समाधान नहीं है। खुलकर बातचीत करने से बच्चे अपनी समस्याएं साझा करते हैं और गलत डिजिटल कंटेंट से दूर रहने के लिए खुद को तैयार करते हैं। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का सबसे कारगर तरीका है उन्हें बेहतर विकल्प देना। आउटडोर खेल, किताबें, संगीत, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के लिए न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक हैं। जब बच्चों को सकारात्मक और रोचक विकल्प मिलते हैं, तो वे खुद-ब-खुद मोबाइल से दूरी बनाने लगते हैं। आज सबसे बड़ा खतरा मोबाइल पर खेले जाने वाले कुछ ऑनलाइन गेम्स से जुड़ा है। ब्लू व्हेल चैलेंज, मोमो चैलेंज, कोरियाई लवर गेम, पबजी और ब्लैकआउट चैलेंज जैसे टास्क-बेस्ड गेम्स बच्चों को मानसिक रूप से इतना प्रभावित कर देते हैं कि वे जानलेवा कदम उठाने तक के लिए प्रेरित हो जाते हैं। मोमो चैलेंज डर और धमकी के जरिए बच्चों को जानलेवा काम करने को मजबूर करता है। चोकिंग गेम और ब्लैकआउट चैलेंज जैसी चुनौतियां भी सोशल मीडिया के जरिए फैल रही हैं। अगर समय रहते हम सतर्क हो गए, तो कई मासूम जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

भारत-अमेरिका डील
महेन्द्र तिवारी

वैश्विक राजनीति को मिली नई दिशा

भारत और अमेरिका के बीच हाल में हुए व्यापारिक समझौते ने केवल दो देशों की नीतियों को ही नहीं बदला, बल्कि वैश्विक राजनीति के समीकरणों को भी नई दिशा दी है। जिस अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान आयात शुल्क को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को चेतावनी दी थी, वही ट्रंप अचानक भारत के मामले में नरम पड़ते दिखाई दिए। जिन शुल्कों को उन्होंने पहले पचास प्रतिशत तक पहुंचा दिया था, उन्हें घटाकर अठारह प्रतिशत पर लाना कोई सामान्य फैसला नहीं था। आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग और गहरा हो सकता है। उभरती तकनीकों, रक्षा उत्पादन और निवेश के क्षेत्रों में नए रास्ते खुलेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच हाल में हुए व्यापारिक समझौते ने केवल दो देशों की नीतियों को ही नहीं बदला, बल्कि वैश्विक राजनीति के समीकरणों को भी नई दिशा दी है। जिस अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्डट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान आयात शुल्क को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को चेतावनी दी थी, वही ट्रंप अचानक भारत के मामले में नरम पड़ते दिखाई दिए। जिन शुल्कों को उन्होंने पहले पचास प्रतिशत तक पहुंचा दिया था, उन्हें घटाकर अठारह प्रतिशत पर लाना कोई सामान्य फैसला नहीं था। यह बदलाव न तो अचानक हुआ और न ही एकतरफा दबाव का परिणाम था। इसके पीछे भारत की एक सधी हुई, दूरदर्शी और संतुलित कूटनीति काम कर रही थी, जिसने अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश को भी बातचीत की मेज पर सम्मान के साथ बैठने को मजबूर कर दिया। ट्रंप की राजनीति हमेशा आक्रामक रही है। उनका मानना रहा कि आर्थिक दबाव के जरिए ही किसी देश को झुकाया जा सकता है। सत्ता में आते ही उन्होंने चीन के साथ व्यापार युद्ध छेड़ दिया और उसी क्रम में भारत को भी निशाने पर लिया। भारत पर यह आरोप लगाया गया कि वह विदेशी वस्तुओं पर बहुत अधिक कर लगाता है और अमेरिकी कंपनियों को उचित अवसर नहीं देता। इसी सोच के तहत भारत को विशेष व्यापारिक सुविधा की सूची से बाहर कर दिया गया, जिससे भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस फैसले से दवाइयों, कपड़ों, रत्नों और कृषि उत्पादों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा और भारत के लिए अमेरिकी बाजार कठिन हो गया। भारत ने इस दबाव को चुपचाप स्वीकार नहीं किया। उसने जवाबी कदम उठाए और अमेरिका से आने वाले कई उत्पादों पर कर बढ़ा दिए। इससे अमेरिका के किसान और उद्योगपति प्रभावित हुए। बादाम, सेब और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात पर असर पड़ा। यह संकेत साफ था कि भारत केवल सुनने वाला देश नहीं है, बल्कि अपने हितों की रक्षा करना जानता है। इसके बावजूद भारत ने टकराव की भाषा नहीं अपनाई। उसने संवाद के दरवाजे खुले रखे और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति का मूल आधार संतुलन रहा है। न तो किसी के आगे झुकना और न ही अनावश्यक टकराव। इसी नीति के तहत भारत ने अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाया। सुरक्षा, रक्षा उत्पादन, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत किया गया। भारत ने यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया कि वह केवल एक बाजार नहीं, बल्कि भरोसेमंद साझेदार है। अमेरिका की बड़ी कंपनियों को भारत में निवेश के अवसर दिए गए, उत्पादन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं के माध्यम से उद्योगों को आकर्षित किया गया और नौकरशाही अड़चनों को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। इन सभी प्रयासों का असर तब दिखा जब ट्रंप ने खुद स्वीकार किया कि प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद उन्होंने अपने रुख पर पुनर्विचार किया। यह कोई साधारण फोन वार्ता नहीं थी, बल्कि वर्षों की रणनीति और विश्वास का परिणाम थी। ट्रंप जैसे नेता, जो आमतौर पर सार्वजनिक रूप से किसी की प्रशंसा नहीं करते, उन्होंने मोदी को प्रभावशाली और सम्मानित नेता बताया। यह बदलाव केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नीतियों में भी दिखाई दिया। नए व्यापारिक

समझौते के तहत भारत और अमेरिका दोनों ने एक दूसरे को राहत दी। भारत ने कुछ कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करने का संकेत दिया, जबकि अमेरिका ने भारतीय इस्पात, कपड़ा और दवा उद्योग को बड़ी राहत दी। इससे भारत के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और लाखों लोगों के रोजगार सुरक्षित होंगे। दवा उद्योग के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय दवाइयाँ सस्ती और प्रभावी मानी जाती हैं और अमेरिका में उनकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा सवाल यह भी उठा कि क्या अमेरिका से बढ़ती नजदीकी का असर भारत के रूस के साथ संबंधों पर पड़ेगा। यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से सस्ता तेल खरीदने के कारण भारत पश्चिमी देशों की आलोचना के केंद्र में रहा है। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए रूस से तेल खरीद जारी रखी, जिससे उसे अरबों रुपये की बचत हुई और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई। अमेरिका ने इस पर असंतोष जरूर जताया, लेकिन कोई ठोस प्रतिबंध नहीं लगाया। रूस की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि भारत के साथ उसके संबंधों में कोई बदलाव नहीं आया है। रूसी नेतृत्व ने कहा कि भारत एक भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार है और दोनों देशों का सहयोग आगे भी जारी रहेगा। रक्षा क्षेत्र में चल रही परियोजनाएं, मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि भारत ने अपनी कूटनीति में संतुलन बनाए रखा है और किसी एक खेमे में खुद को सीमित नहीं किया है। आज़ादी के बाद से ही भारत ने गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता का रास्ता चुना है। भारत अपने फैसले स्वयं करता है, दबाव में नहीं। अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौता भी इसी सोच का परिणाम है। इसमें न तो आत्मसमर्पण है और न ही टकराव, बल्कि आपसी लाभ का रास्ता है।

इस समझौते का असर केवल भारत और अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी इसके सकारात्मक संकेत दिखाई देंगे। जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं सहयोग का रास्ता चुनती हैं, तो बाजारों में स्थिरता आती है। निवेशकों का भरोसा बढ़ता है और विकास को गति मिलती है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह खुद को विश्व उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करे और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करे। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। डिजिटल कर, बौद्धिक संपदा अधिकार और आंकड़ों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। भारत को सावधानी से आगे बढ़ना होगा ताकि घरेलू हितों की अनदेखी न हो। विदेशी कंपनियों को अवसर देते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि देश के कानूनों और संप्रभुता से कोई समझौता न हो। राजनीतिक दृष्टि से भी यह समझौता महत्वपूर्ण है। इससे यह संदेश जाता है कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की यह एक बड़ी परीक्षा थी, जिसमें वे सफल दिखाई देते हैं। ट्रंप का नरम रुख इस बात का संकेत है कि भारत की बात अब सुनी जाती है। आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग और गहरा हो सकता है। उभरती तकनीकों, रक्षा उत्पादन और निवेश के क्षेत्रों में नए रास्ते खुलेंगे। साथ ही रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग भी जारी रहेगा। भारत दोनों शक्तियों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध बनाए रखेगा। अंततः यह कहानी बदलती दुनिया में समझदारी भरी कूटनीति की है। यह दिखाती है कि शोर मचाने से नहीं, बल्कि संवाद और संतुलन से बड़े फैसले लिए जाते हैं। भारत ने यही रास्ता चुना है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विचार
राजीव श्रीवास्तव

चित्रोत्पला फिल्म सिटी : सपना बड़ा है, शुरुआत संवेदनशील होनी चाहिए

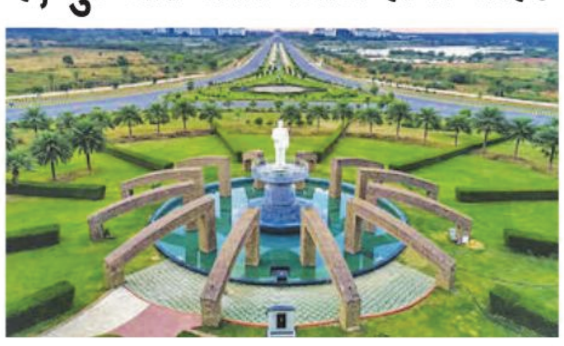

छत्तीसगढ़ में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण राज्य के सांस्कृतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह परियोजना न केवल फिल्म निर्माण से जुड़ी है, बल्कि इससे छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और रचनात्मक पहचान को राष्ट्रीय मंच मिलने की संभावना भी जुड़ी हुई है। ऐसे में इस परियोजना की हर शुरुआत, हर प्रतीक और हर निर्णय का सांस्कृतिक अर्थ भी होता है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान सामने आया विवाद इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करता है, जिसे केवल औपचारिक प्रतिक्रिया देकर टालना उचित नहीं होगा।

जब अपनी ही जमीन पर कलाकार हाशिये पर हों

यदि छत्तीसगढ़ के नाम पर बन रही फिल्म सिटी के पहले सार्वजनिक आयोजन में स्थानीय कलाकार, रंगकर्मी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा से जुड़े लोग स्वयं को उपेक्षित महसूस करें, तो यह केवल एक आयोजन की त्रुटि नहीं, बल्कि सोच में आई दूरी का संकेत है। बॉलीवुड कलाकारों के कट-आउट और प्रतीकों के बीच छत्तीसगढ़ की अपनी सांस्कृतिक उपस्थिति का कमजोर दिखना यह प्रश्न खड़ा करता है कि— क्या हम विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं?

संस्कृति आयोजन नहीं, सहभागिता मांगती है

अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि संस्कृति विभाग का कार्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं होता, बल्कि कलाकारों के आत्मसम्मान और भागीदारी को सुनिश्चित करना होता है। कलाकार मंच नहीं मांगते, वे यह महसूस करना चाहते हैं कि— वे इस परियोजना का हिस्सा हैं,

केवल दर्शक नहीं। यदि चित्रोत्पला फिल्म सिटी वास्तव में छत्तीसगढ़ की है, तो उसकी पहली तस्वीर में छत्तीसगढ़ी कलाकारों की केंद्रीय भूमिका स्वाभाविक होनी चाहिए थी।

सरकार की मंशा और ज़मीनी अपेक्षाएं

सरकार और आयोजन से जुड़े पक्षों ने यह कहा है कि सभी को साथ लेकर चलने की मंशा है और किसी को जानबूझकर नज़रअंदाज़ नहीं किया गया। इस आश्वासन का स्वागत किया जाना चाहिए।

लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि आने वाले समय में—स्थानीय कलाकारों की निर्णायक भागीदारी

छत्तीसगढ़ी फिल्मों और रंगमंच के लिए ठोस नीति प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और मंच के स्थायी प्रावधान

स्पष्ट रूप से दिखाई दें। क्योंकि सांस्कृतिक विश्वास शब्दों से नहीं, कार्यवाही से बनता है।

चित्रोत्पला : नाम के साथ जिम्मेदारी

चित्रोत्पला केवल एक आधुनिक फिल्म सिटी का नाम नहीं है। यह छत्तीसगढ़ की उस सांस्कृतिक स्मृति का प्रतीक है, जहाँ लोककला, शिल्प और रचनात्मकता पीढ़ियों से जीवित रही है। इस नाम के साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि फिल्म सिटी की आत्मा स्थानीय हो और दृष्टि वैश्विक।

अंततोगत्वा मैं यह कहना चाहता हूं कि....

चित्रोत्पला फिल्म सिटी छत्तीसगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। लेकिन यदि इसकी नींव में संवेदनशीलता और संवाद की कमी रही, तो भव्य संरचनाएं भी सांस्कृतिक रूप से अधूरी रह जाएंगी। आलोचना को विरोध नहीं, समय रहते मिला संकेत समझना चाहिए। क्योंकि संस्कृति में संकेतों की अनदेखी, सबसे महंगी भूल होती है।

(पूर्व आयुक्त, संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन)

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य है

संकलित
दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना

पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

आखिर कर्म ही महान है

संकलित
प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन

खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

आज के युवा और डिजिटल दुनिया की चुनौतियां

सैय्यद जाहिद अली रियासत

दुनिया युवाओं की ओर एक नई आशा के साथ देख रही है उम्मीद की किरण युवाओं में नजर आती है , किसी भी देश और राष्ट्र की असली पूंजी युवा होते हैं। राष्ट्र की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य युवाओं की सोच और उनके विकास पर निर्भर करता है। आधुनिक तकनीक की बदौलत आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां ज्ञान प्राप्ति के साधन और कौशल विकास के अपार अवसर पैदा हुए हैं, वहीं व्यक्तित्व निर्माण और नैतिक मूल्यों के पतन का खतरा भी मंडरा रहा है। आज के युवाओं ने डिजिटल दुनिया में खुद को इतना डुबो लिया है कि उन्हें अपने व्यक्तित्व को निखारने पर ध्यान देने की जरूरत भी महसूस नहीं होती। नतीजा यह है कि हमारे युवा डिजिटल दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बेखबर होकर इसके 'साइड इफेक्ट्स' को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिसका असर न केवल उनके निजी जीवन पर दिख रहा है बल्कि समाज भी इन प्रभावों से सुरक्षित नहीं है। युवाओं पर इसके नकारात्मक प्रभाव से इंकार नहीं किया जा सकता, आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट केवल सूचना, संपर्क और मनोरंजन के साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि ये लोगों को गलत जानकारी और भ्रामक विचारों की ओर धकेलने के लिए भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। युवा, जो तकनीकी रूप से तो दक्ष हैं लेकिन अनुभव और नैतिक समझ के मामले में अभी नए हैं, अक्सर ऑनलाइन सामग्री के प्रभाव में आ जाते हैं। उनकी ऊर्जा और जोश की भावनात्मक संवेदनशीलता उन्हें और अधिक प्रभावित करती है। इस उम्र में युवा सामाजिक व्यवस्था, अन्य धर्मों और न्याय के मुद्दों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं, और यही भावनात्मक तीव्रता उन्हें ₹गलत या भ्रामक संदेशों₹ का शिकार बना सकती है- खासकर तब जब ये संदेश हिंसा या तोड़-मरोड़ कर पेश किए गए सिद्धांतों का समर्थन करते हों। इसलिए सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सावधानी अनिवार्य है।जिससे इसके दुष्परिणामों से बचा जा सके , सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के 'एल्गोरिदम' यह सुनिश्चित करते हैं कि यूजर को वही सामग्री बार-बार दिखाई जाए जिसे उसने पहले देखा, लाइक किया या फॉलो किया हो। इस प्रक्रिया के दौरान यूजर के 'फीड' में उसी तरह की भ्रामक या पक्षपातपूर्ण जानकारी आने लगती है, जिससे यह आभास होता है कि उसके विचार और भावनाएं ही सार्वभौमिक सत्य हैं। समय के साथ युवा अनजाने में खुद को इनसे जोड़ लेते हैं। कभी उन्हें महसूस होता है कि उनका जीवन निरर्थक है, जिससे उनके मन पर निराशा छाने लगती है। कभी उन्हें लगता है कि वे ₹अलग₹ या ₹पीड़ित₹ हैं, तो यह अहसास उन्हें आक्रामकता या हानिकारक कदमों को सही ठहराने का आधार बन जाता है। कभी उन्हें लगता है कि जो कुछ वे देख रहे हैं वही असली दुनिया है, जिससे उनकी संबद्धता और गहरी हो जाती है। इसके प्रभाव में वे किसी भी नकारात्मक या कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर ऐसा कदम उठा लेते हैं जिसका असर न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन पर, बल्कि उनके परिवार और समाज पर भी पड़ता है, जिसकी भरपाई संभव नहीं होती। इस 'एल्गोरिद्मिक' प्रभाव को आमतौर पर ₹फिल्टर बबल₹ कहा जाता है, जो व्यक्ति को उसके पहले से मौजूद विश्वासों तक सीमित कर देता है और वैकल्पिक दृष्टिकोणों को छिपा देता है। परिणामस्वरूप, युवा यह मानने लगते हैं कि भ्रामक नैरेटिव ही वास्तविकता है। इस संदर्भ में कुरान हमें स्पष्ट मार्गदर्शन देता हैः ₹ऐ ईमान वालों। किसी भी खबर को बिना जांच-पड़ताल के न मानो और जब तक तुम्हें प्रमाण न मिले, किसी पर विश्वास न करो।₹ (सूरह अल-हुजरात, 49:6)। यह आयत युवाओं को संदेश देती है कि किसी भी ऑनलाइन जानकारी पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें। कुछ ऑनलाइन पेज, चैनल और वेबसाइटें विशेष रूप से युवाओं को भ्रामक संदेशों के जरिए प्रभावित करने की रणनीति अपनाते हैं। ये प्लेटफॉर्म न केवल कट्टरपंथी विचार पेश करते हैं, बल्कि युवाओं में यह धारणा भी पैदा करते हैं कि समाज उन्हें नहीं समझता। उदाहरण के तौर पर, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट युवाओं को बताते हैं कि दूसरों के त्योहारों में शामिल होना या विभिन्न समुदायों से संपर्क रखना गलत है। इस तरह युवा धीरे-धीरे लोकतांत्रिक सिद्धांतों और सामाजिक समरसता के बुनियादी मूल्यों से दूर हो जाते हैं। अक्सर ये समूह युवाओं के मनोविज्ञान का फायदा उठाते हैं और उन्हें महसूस कराते हैं कि उनके साथ अन्याय हो रहा है और उन्हें इसके खिलाफ ₹अपने हक₹ के लिए लड़ना चाहिए। सोशल मीडिया एल्गोरिदम इस संदेश को बार-बार दिखाते हैं, जिससे भावुक या अकेलेपन का शिकार युवा इसे गंभीरता से लेने लगते हैं। भारत में ऐसी घटनाएं तुलनात्मक रूप से कम हैं, क्योंकि यहां का पारिवारिक ढांचा काफी मजबूत है जो युवाओं को ऐसे नकारात्मक रुझानों से बचाने में मददगार होता है। इसके अलावा, कुछ समूह व्यक्तिगत सोच उन पर थोपने की कोशिश करते हैं। संदेशों, गेम्स और क्विज के माध्यम से युवाओं की पहचान करते हैं और धीरे-धीरे अपनी सोच थोप देते हैं , युवाओं के लिए इन समस्याओं का समाधान केवल पाबंदी नहीं है, बल्कि उन्हें विश्वसनीय स्त्रोतों से जानकारी प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन देना जरूरी है। युवाओं को चाहिए कि वे राष्ट्रीय मुख्यधारा के मीडिया, प्रतिष्ठित पत्रकारों, विश्वविद्यालय की पुस्तकों और प्रमाणित शोध पत्रिकाओं से तथ्य प्राप्त करें और अपने शिक्षकों या अभिभावकों से मार्गदर्शन लेते रहें। इससे वे न केवल भ्रामक सामग्री से सुरक्षित रहेंगे, बल्कि अपने विचारों को लोकतांत्रिक और नैतिक आधार पर विकसित कर सकेंगे। युवाओं को यह समझना चाहिए कि एल्गोरिदम उनके दृष्टिकोण को सीमित कर सकते हैं, इसलिए किसी भी संदेश को बिना शोध के स्वीकार न करें। इस प्रक्रिया में दोस्तों, परिवार और शिक्षकों के साथ संवाद करना आवश्यक है। किसी भी संदिग्ध या परेशान करने वाली सामग्री को साझा करने के बजाय अनुभवी लोगों से सलाह लें। अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया पर गौर करें कि क्या कोई सामग्री आपको डरा रही है या ₹तत्काल प्रतिक्रिया₹ के लिए उकसा रही है। यदि ऐसा है, तो रुकें, सोचें और लाइक या शेयर करने से पहले उसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर विचार करें। कुरान भी हमें ज्ञान के महत्व की याद दिलाता हैः ₹अल्लाह ने इंसान को ज्ञान दिया, और जो सही ज्ञान (हिदायत) प्राप्त करता है, वह पथभ्रष्टता से सुरक्षित रहता है।₹ (सूरह ताहा, 20:123) सामूहिक स्तर पर, समाज और शैक्षणिक संस्थान डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित कर सकते हैं। यदि युवा यह समझ जाएं कि उनकी सोच किस तरह प्रभावित हो रही है और सोशल मीडिया उनकी मानसिक सेहत पर कैसे असर डाल रहा है, तो वे अधिक सुरक्षित रह सकेंगे। ऑनलाइन भ्रामक सूचनाओं से निपटना केवल तकनीकी समाधान तक सीमित नहीं है; यह नैतिक शिक्षा, धार्मिक समझ और सामाजिक सहयोग का मिश्रण है। युवाओं को यह समझना होगा कि आज के डिजिटल युग में असत्यापित सामग्री का प्रसार न केवल भ्रामक है, बल्कि इसका बिना सोचे-समझे उपयोग इस्लामी शिक्षाओं के विरुद्ध और लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए भी खतरा है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

संक्षेप

भूमि देने में कोई आपत्ति नहीं : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि देने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन केंद्र को पहले राज्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारक्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने फैसले को रद्द करना होगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर विधानसभा में चर्चा के दौरान बनर्जी ने केंद्र व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राज्य सरकार पर सीमा बाड़ लगाने में बाधा डालने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बीएसएफ सहित सभी केंद्रीय एजेंसियों को पहले ही भूमि आवंटित की जा चुकी है। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा, भूमि कोई समस्या नहीं होगी। आपको भूमि मिल जाएगी, लेकिन पहले बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने नियम को बदलें। बाड़ लगाने में देरी, कथित अवैध प्रवासन और बांग्लादेश के साथ बंगाल की लंबी खुली सीमाओं के प्रबंधन को लेकर केंद्र और तृणमूल कांग्रेस में शुरू हुई जुबानी जंग के बीच बनर्जी की यह टिप्पणी आई है। राज्य ने कितनी जमीन पहले ही आवंटित की है।

ओडिशा पुलिस ने कोरापुट जिले को नक्सल-मुक्त घोषित किया

भुवनेश्वर/कोरापुट। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की एक एरिया कमेटी की सदस्य के आत्मसमर्पण किए जाने बाद ओडिशा पुलिस ने बृहस्पतिवार को कोरापुट जिले को नक्सल-मुक्त घोषित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाली कार्यकर्ता की पहचान ममता पोडियामी (26) के रूप में हुई है जिसे मामिता और सोनी के नाम से भी जाना जाता है। वह छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की निवासी है और उस पर 5.5 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण-पश्चिमी रेंज) कंवर विशाल सिंह ने बताया कि महिला ने आत्मसमर्पण किया और एक एसएलआर राइफल भी सौंप दी। उप महानिरीक्षक (डीआईजी) ने कहा, उसे घोषित 5.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के साथ-साथ हथियार सौंपने के लिए अतिरिक्त 1.65 लाख रुपये भी मिलेंगे। इसके अलावा उसे राज्य की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत सभी लाभ प्राप्त होंगे। उसके आत्मसमर्पण के बाद कोरापुट अब नक्सल-मुक्त जिला है।

जयशंकर ने महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी चुनौतियों को रेखांकित किया

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने महत्वपूर्ण खनिजों का कुछ ही जगहों पर अत्यधिक संकेंद्रण होने से संबंधित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं के समक्ष जोखिम को कम करना जरूरी है।

वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा आयोजित पहले क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी फोर्ज नामक पहल के प्रति भारत के समर्थन की भी जानकारी दी। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज वाशिंगटन डीसी में क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल सम्मेलन को संबोधित किया। अत्यधिक संकेंद्रण से जुड़ी चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से आपूर्ति शृंखलाओं के जोखिम को कम करने के महत्व को रेखांकित किया। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन समेत पहलों के जरिए अधिक लचीलापन हासिल करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। मंत्रिस्तरीय सम्मेलन शुरू होने से पहले जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन समेत कई नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने नीदरलैंड्स, इटली, मलेशिया, बहरीन, मंगोलिया, पोलैंड, रोमानिया, इजराइल और उज्बेकिस्तान के अपने समकक्षों से भी बातचीत की।

मणिपुर में सरकार गठन से दूर रहे कुकी विधायक

इंफाल। मणिपुर के कई कुकी संगठनों ने अपने समुदाय के विधायकों को राज्य में सरकार गठन की प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही चुराचांदपुर में पूर्ण बंद और कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान भी किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी के विधायक युमनाम खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने यह पदभार भाजपा नेता एन. बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के लगभग एक वर्ष बाद संभाला। राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों तक चली जातीय हिंसा के बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली भाजपा विधायक नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट विधायक एल. दिखो ने मणिपुर के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। इस घटनाक्रम के बाद चुराचांदपुर जिले के आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन (जेएफ-7) ने शुक्रवार को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक कुकी-जो बहुल इलाकों में पूर्ण बंद का आह्वान किया है।

प. बंगाल के बजट में महिलाओं, युवाओं पर विशेष ध्यान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4.06 लाख करोड़ रुपये का अंतरिम बजट बृहस्पतिवार को पेश किया। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं, युवाओं व अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को लक्षित करते हुए नकद सहायता एवं भत्ते में वृद्धि के प्रस्ताव शामिल किए गए हैं।

राज्य की करीब आधी आबादी महिलाओं की है जो लगातार चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सबसे भरोसेमंद वोट बैंक बनकर उभरी हैं। इन महिलाओं के लिए राज्य सरकार ने इस साल फरवरी से लक्ष्मीर भंडार योजना में मासिक अनुदान में 500 रुपये की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। सरकार ने इस योजना के लिए 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। राज्य की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए बंगला युवा साथी नामक एक योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत 21-40 वर्ष आयु वर्ग के बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने तक या अधिकतम पांच वर्ष की अवधि के लिए 1,500 रुपये का मासिक भत्ता प्रदान किया जाएगा। अगर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में वापसी करती है तो यह योजना 15 योजना अगस्त से शुरू की जाएगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सहायकों के भत्तों में 1,000 रुपये की वृद्धि की गई है। साथ ही उनकी मृत्यु होने पर उनके परिजन को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने का प्रस्ताव भी बजट में शामिल है। इसके लिए कुल 280 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आशा कार्यकर्ताओं को भी प्रति माह 1,000 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। अंतरिम बजट में नागरिक स्वयंसेवकों और ग्रीन पुलिस कर्मियों के लिए 1,000 रुपये की मासिक वेतन वृद्धि की घोषणा की गई जिसके लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। सरकारी कर्मचारी भी इससे अछूते नहीं रहे राज्य ने महंगाई भत्ते (डीए) में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की जो कर्मचारी संघों की लंबे समय से मांग रही है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा बेरोजगारी और राज्य कर्मचारियों की कथित उपेक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर बार-बार हमले किए जाने के मद्देनजर यह बजट आलेचनाओं को कम करने और साथ ही महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ पार्टी के कल्याणकारी चुनावी वादों को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया प्रतीत होता है।

बांग्लादेश में हमले बढ़ने, राष्ट्रीय चुनाव नजदीक आने को लेकर हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय में डर का माहौल

ढाका। बांग्लादेश में हाल के महीनों में हिंदुओं पर हुए हमले को मानवाधिकार समूह और हिंदू नेता 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले बढ़ते ध्रुवीकरण और इस्लाम समर्थकों के पुनरुत्थान के तौर पर देख रहे हैं। कपड़े की एक फैक्टरी में काम करने वाले दीपू चंद्र दास (27) पर दिसंबर में कई मुस्लिम सहकर्मियों ने पैगंबर मोहम्मद के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद हिंसक भीड़ उसके कार्यस्थल पर उमड़ पड़ी और पीटकर हत्या कर दी। उसके शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी गई। पूरे देश में, अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों ने घटना के रिकॉर्ड किये गए दृश्यों को अपने मोबाइल फोन पर देखा और सहम गए। इस घटना को लेकर, ढाका और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, प्रदर्शनकारियों ने न्याय और अधिक सुरक्षा की मांग की।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने जांच के आदेश दिए और पुलिस ने कहा कि लगभग एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, मानवाधिकार समूहों और हिंदू नेताओं का कहना है कि यह हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, बल्कि अल्पसंख्यक समुदाय पर हमलों में आई व्यापक वृद्धि का हिस्सा है, जिसे बढ़ते ध्रुवीकरण और इस्लामी कट्टरपंथियों के पुनरुत्थान ने हवा दी है। मुस्लिम बहुल देश में 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव के मद्देनजर हिंदुओं में भय और भी गहरा गया है। बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी लगभग 1.31 करोड़ है, जो देश की 17 करोड़ आबादी का लगभग आठ प्रतिशत है, जबकि मुस्लिम आबादी 91 प्रतिशत है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक संगठन है।

उत्तर रेलवे चलायेगा छह नयी अमृत भारत ट्रेनें, रैक लगभग तैयार

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। रेल बजट के तहत नए वित्तीय वर्ष में अमृत भारत और वंदेभारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। उत्तर रेलवे में छह अमृत भारत ट्रेनें प्रस्तावित हैं, जिनसे मुरादाबाद मंडल के यात्रियों को लाभ मिलेगा। पैसेंजर कोच वाली इन ट्रेनों से कामगार वर्ग को राहत मिलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बजट पर प्रेस वार्ता में कहा कि नए वित्तीय वर्ष में कई अमृत भारत और वंदेभारत ट्रेनें चलाई जाएंगी। उत्तर रेलवे के अधिकारियों को मुताबिक छह अमृत भारत ट्रेनें प्रस्तावित हैं, जोकि मुरादाबाद मंडल के यात्रियों को भी सहूलियत देंगी। दिल्ली, अमृतसर, जम्मू से बिहार के लिए दो-दो ट्रेनें चलाने की योजना है। हालांकि इनका रूट अभी तय नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि पैसेंजर कोच वाली इन ट्रेनों के चलने से कामगार वर्ग को बड़ी राहत होगी। हाल ही में रेलवे ने अमृतसर से हावड़ा तक अमृत भारत एक्सप्रेस चलाई है जोकि मुरादाबाद से होकर गुजरती है। रेल मंत्री ने कहा कि हर महीने एक नई ट्रेन की घोषणा की जा रही है। आसपास के प्रदेशों के मुकाबले उत्तर प्रदेश को रेल के विकास के लिए ज्यादा बजट मिला है। नई दिल्ली से बनारस के बीच घोषित किया गया हाईस्पीड रेल कॉरिडोर उत्तर प्रदेश के कई शहरों से होकर गुजरेगा। अधिकारियों का कहना है कि यह मुरादाबाद होकर गुजर सकता है। हालांकि डीपीआर बनने से पहले कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

मुरादाबाद-लखनऊ व मुरादाबाद-नजीबाबाद के बीच बनेगी चारदीवारी : मुरादाबाद रेल मंडल में हर दिन औसतन 60 रनओवर रेलवे ट्रैक पर होते हैं। इनमें जनहानि होती है और कुछ स्थानों पर पशु भी ट्रेन की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में रेलवे ने मुरादाबाद से लखनऊ और मुरादाबाद से नजीबाबाद तक रेलवे ट्रैक के दोनों ओर चाहरदीवारी बनाने की घोषणा की है। इससे हादसों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। दूसरी ओर से मुरादाबाद से चंदौसी के बीच भी कुछ हिस्सों में चाहरदीवारी की जाएगी।

दो पुलों का होगा पुनर्निमाण, अन्य की मरम्मत: डीआरएम विनीता श्रीवास्तव वे बताया कि मंडल में बालावाली-रायसी के बीच और बरेली-लखनऊ के बीच रेलवे के दो पुलों का पुनर्निमाण कराया जाएगा। अन्य कई पुलों की मरम्मत की जाएगी। डीआरएम ने कहा कि मंडल में 19 स्टेशनों को अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। धामपुर स्टेशन बनकर तैयार है। इसके अलावा हापुड़, शाहजहांपुर, रामपुर, चंदौसी आदि स्टेशनों पर तेजी से कार्य चल रहा है।

लखनऊ जंक्शन से सीतापुर होकर चलेंगी डबलडेकर और काठगोदाम एक्सप्रेस

लखनऊ। लखनऊ जंक्शन से काठगोदाम जाने वाली ट्रेन को सीतापुर होकर चलाने की तैयारी है। इसके अलावा डबलडेकर एक्सप्रेस को भी इस रूट पर दोबारा शिफ्ट किया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे के ऐशबाग-पीलीभीत रेलखंड का गेज कन्वर्जन और विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। इस रेलखंड को तैयार करने में करीब 700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ऐसे में लखनऊ से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों के लिए एक और रूट खुल गया। पहले लखनऊ से कानपुर और लखनऊ से हरदोई, बरेली के रास्ते ट्रेनें दिल्ली पहुंच रही थीं। अब लखनऊ से सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी, पीलीभीत, बरेली के रास्ते ट्रेनें दिल्ली पहुंचेंगी। ऐसे में इस रूट के स्टेशनों से सफर करने वाले यात्रियों की सुविधा पर रेलवे फोकस कर रहा है। इसी क्रम में गोरखपुर से मैलानी के बीच चलने वाली गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस का संचालन बढ़ाकर इज्जतनगर तक कर दिया गया है। लखनऊ से सहारनपुर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को भी सीतापुर के रास्ते चलाया जा रहा है। अब इस रूट पर लखनऊ जंक्शन-काठगोदाम एक्सप्रेस को चलाने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए फिजिबिलिटी जांची जाएगी।

थाईलैंड का पैकेज लॉन्च, 12 से आईआरसीटीसी करायेगा यात्रा

लखनऊ। पर्यटकों के लिए आईआरसीटीसी थाईलैंड की यात्रा का पैकेज लेकर आया है। पर्यटकों को 12 फरवरी से थाइलैंड के फुकेट व क्राबी की सैर कराई जाएगी। बृहस्पतिवार को गोमतीनगर स्थित कार्यालय में हवाई टूर पैकेज लॉन्च किया गया।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि हवाई टूर पैकेज 12 से 19 फरवरी तक चलेगा। इसमें यात्रियों को विमान से लाने-ले जाने के अतिरिक्त, तीन सितारा होटल में ठहरने, ब्रेकफास्ट, लंच व डिनर, यात्रा वीमा, गाइड की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा टूर के दौरान यात्रियों को फिफि आइलैंड टूर, काबी 4 आइलैंड टूर (स्पीड बोट द्वारा), टाइगर केव टेम्पल, रेलै बीच, नाइट मार्केट एवं सिटी दूर कराया जाएगा। पैकेज का मूल्य अकेले ठहरने पर प्रतिव्यक्ति 102500 रुपये, दो या तीन व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर प्रतिव्यक्ति 82800, माता-पिता के साथ रुकने पर प्रति बच्चे के लिए पैकेज की दर 76200 रुपये रखी गई है। पर्यटक पैकेज की बुकिंग गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में आईआरसीटीसी कार्यर्यालय एवं वेवसाइट एवं मोवाइल नंबरों 9236367954 व 8287930922 से करवा सकते हैं।

अब टीटीई नहीं करेगा इंतजार, बोर्डिंग पर नहीं मिले तो दूसरे को दे दी जायेगी सीट

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। ट्रेन की बोर्डिंग को लेकर जल्द ही एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। टीटीई यात्रियों का निर्धारित बोर्डिंग से अगले स्टेशन तक इंतजार नहीं करेंगे। यात्री के न आने पर टीटीई चेकिंग के समय ही अपने ईएफटी पर उस सीट पर नॉट टर्नअप (यात्री के बोर्डिंग स्टेशन पर आने की सूचना) दर्ज कर देगा। खाली सीट की सूचना अंकित होते ही ट्रेन में वेटिंग या आरएसी टिकट पर चल रहे यात्रियों को वह सीट आवंटित हो जाएगी। सीट आवंटित की सूचना सीधे यात्री के मोबाइल पर चला जाएगा।

दरअसल अभी टीटीई यात्री के निर्धारित बोर्डिंग स्टेशन पर न आने की स्थिति में यात्री का इंतजार अगले स्टेशन तक करते हैं। अगले स्टेशन पर न आने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को वह सीट आवंटित की जाती है। लेकिन अब रेल मंत्रालय जल्द ही सॉफ्टवेयर में बदलाव करने जा रहा है। इसको लेकर बोर्ड ने रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) को निर्देश भी जारी कर दिया है।

तुरंत होगी सीट की उपलब्धता: यह प्रणाली के शुरू हो जाने से ट्रेन में यात्रा करने वाले प्रतीक्षा और आरएसी टिकट वाले यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। तुरंत अपडेट हो जाने से सीट तत्काल आवंटित हो जाएगी। इस प्रणाली से ट्रेन में खाली सीटों का कुशल प्रबंधन होगा साथ ही यह भी सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक सीट का अधिकतम उपयोग हो। पूर्वोत्तर रेलवे पूर्व मुख्य परिचालन प्रबंधक राकेश त्रिपाठी का कहना है कि यह तकनीक भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।

तीन से पांच फीसदी तक यात्री होते हैं नॉट टर्न अप: लगभग सभी ट्रेनों में कुल सीट के तीन से पांच फीसदी यात्री या किसी कारणवश यात्रा रद कर देते हैं या फिर आसपास के स्टेशनों पर सवार होते हैं। ऐसे में दूसरे स्टेशनों से सवार होने वाले यात्री उसी स्टेशन को बोर्डिंग स्टेशन बनाएं जहां से उन्हें सवार होना है। चार्ट बनने के 24 घंटे पहले तक ही बोर्डिंग बदलने की सुविधा होती है। इसके बाद न तो बोर्डिंग बदल सकेंगे और न ही दूसरे स्टेशन से सवार हो सकेंगे।

राजेश सिंह ने संभाली बीजपुर थाने की कमान, अपराध पर कसेगी नकेल

बीजपुर (सोनभद्र) बुधवार की सायं नवागत थाना प्रभारी राजेश सिंह ने औपचारिक रूप से बीजपुर थाने का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने सबसे पहले थाने के समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और थाना परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके आगमन से पुलिस महकमे में नई ऊर्जा और आम जनमानस में नई उम्मीद जगी है। कार्यभार संभालने के पश्चात थाना प्रभारी राजेश सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अपराधियों पर सख्ती, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाना और क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि गरीब, असहाय और पीड़ित नागरिकों को समयबद्ध व निष्पक्ष न्याय दिलाना उनका संकल्प है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नवागत प्रभारी ने कहा कि शासन से प्राप्त दिशा-निदेशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा तथा पुलिसिंग को और अधिक जनोन्मुखी बनाया जाएगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम सिरसी प.ह.न. 14

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दशमेत पिता जगदीश जाति रजवार निवासी ग्राम सिरसी प.ह.न. 14 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के ससुर स्व.पति राम आ.नोहर का मृत्यु दिनांक 07/08/2021 को ग्राम सिरसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने ससुर पतिराम आ. नोहर का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 13/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ:ग)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/ 121 वर्ष

ग्राम दनौली खुर्द प.ह.न. 0.3

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुलचन्द पिता स्व. आलम साय जाति रजवार निवासी ग्राम दनौली खुर्द प.ह.न. 03 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता स्व. आलम साय आ. बंसु राम का मृत्यु दिनांक 04/05/2009 को ग्राम दनौली खुर्द में हुई है। अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पिता स्व. आलम साय का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत दनौली खुर्द को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 09/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 19/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० /अ-20(3)/2 अ-20 (3) / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण राजकुमार, विष्णु, सुनील, संजय आ० रामनिवास, रामप्रसाद पिता चन्द्रभान, सभी जाति अग्रवाल, निवासी रिंग रोड़ महामाया पेट्रोल नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर-08 मोहल्ला अग्रसेन वार्ड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 2761/2 रकबा 871.20 वर्गमीटर भूमि को अनावेदक/केता श्रेयांस बंसल पिता अजय बंसल, जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड नं0 38 अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सौरभ अग्रवाल पिता सुशील कुमार अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी बनारस रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -04 मोहल्ला जनपद पारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1912/1 रकबा 0.04, 1/2 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता जितेन्द्र साहू पिता सीता राम साहू, जाति तेली, निवासी कंपनी बाजार अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क0 202602021700017

अ-27/2025-26

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सेवक राम आ० बहाल राम निवासी ग्राम विशनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम विशुनपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा न० 188, 192, 223, 225, 256, 257, 259/1, 262, 287, 333 कुल खसरा नंबर 10 कुल रकबा 3.544 हे० भूमि का अनावेदक तिरपन आ० स्व. बहाल राम, निवासी ग्राम विशुनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 04/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन, पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०मा०क्र०- /ब-121/2025-26

ग्राम. शिवपुर प०ह०नं०- उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम शिवपुर प०ह०नं०- उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुशराज रवि आ०/पति.. सरीफा राम रवि जाति चमार निवासी ग्राम शिवपुर तहसील- राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्वंय के पुत्र रोशन कुमार रवि का जन्म दिनांक 16.11.2009 को ग्राम शिवपुर घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश। उपरोक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक- // 2026 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। तिथि अतः आज दिनांक- / / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बरियो जिला बलरामपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 20260202070085/

विषय:- अ-6

मामले की श्रेणी:- राजस्व

सन:- 2025-2026

रामपुर (प ह न. 00033),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार आनन्द राम, ललित राम, लाली बाई.

अनावेदक पक्षकार - शिवकुमारी, धनदिया, बालकुमारी

ईश्तहार

आवेदक आनंद राम आ०मटुकधारी व अन्य निवासी रामपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम रामपुर स्थित कुल खसरा नंबर 18 कुल रकबा 2.003 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो से पंजीबद्ध हकत्याग पत्र दिनांक 13/01/2026 के माध्यम से अनावेदिका का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

विदेशी कंपोजिट शराब दुकान के सामने आए दिन चल रहे लात-घूंसे

बस अड्डे में रोजाना होता है सैकड़ों यात्रियों व उनके संबंधियों का आना-जाना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बस स्टैंड के करीब शिफ्ट किए गए विदेशी कंपोजिट शराब दुकान के सामने आए दिन विवाद, मारपीट की स्थिति बनने से माहौल अशांत हो रहा है। बस स्टैंड में पुलिस सहायता केंद्र होने के कारण पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच तो जाती है, लेकिन छोटी-छोटी बातों पर होने वाला विवाद कब बड़ा रूप ले लेगा, कहना मुश्किल है।

जानकारी के मुताबिक, बीते दिवस अंग्रेजी शराब दुकान के सामने एक युवक की जमकर पिटाई 4-5 युवकों ने कर दी, जिससे बस स्टैंड के आसपास और शराब लेने के लिए पहुंचे लोग दहशत में रहे। बताया जा रहा है कि मामूली विवाद पर युवक उत्तेजित हो गए और शराब लेने पहुंचे युवक पर लात-घूंसा बरसाने लगे। इसका किसी ने वीडियो वायरल कर दिया, जिसमें कुछ लोग एक युवक से मारपीट करते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि गंगापुर से विदेशी कंपोजिट शराब दुकान को हटाने के बाद इसका संचालन बस स्टैंड के पास किया जा रहा है। बस स्टैंड में यात्रियों का दिन-रात आना-जाना लगे रहता है। शराब के नशे में धुत्त लोगों के कारण खासकर रात में यहां का माहौल अशांत हो जाता है। आपसी विवाद, मारपीट, गाली-गलौज जैसी घटनाएं यहां के लिए आम हो गई है। पियक्कड़ों के द्वारा किए जाने वाले विवाद के कारण जहां एक ओर शराब खरीदने के लिए आने वाले ग्राहक किसी घटना को लेकर सशंकित रहते हैं, वहीं सफर के लिए बस स्टैंड में आने वाले महिला-पुरूष इनकी हरकतों के आगे न सिर्फ शर्मिंदगी महसूस करते हैं, बल्कि संभावित घटनाओं का खतरा बना रहता है।

लम्बे समय से अनुपस्थित अनुबंधित चिकित्सकों को नोटिस जारी करने के निर्देश

संभागीय संयुक्त संचालक ने बीएमओ एवं बीपीएम के साथ की समीक्षा बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा ने जिले के सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं बीपीएम की उपस्थिति में 5 फरवरी को बैठक लेकर जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। जिले के समस्त आरोग्य मंदिर में रिक्त कर्मचारियों का मामला सामने आने पर रिक्तियों को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। उन्होंने जिले के समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में आधारबेस उपस्थिति अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने और ई-ऑफिस का कार्य अपडेट करने कहा।

संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने सभी बीएमओ एवं बीपीएम को अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थाओं का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए, साथ ही धनवंतरी दवाई दुकान का संचालन अस्पताल परिसर में न हो इसका ध्यान रखने के लिए कहा। इसके अलावा उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में संस्थागत प्रसव अधिक से अधिक हो इस पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सुरक्षित प्रसव के लिए मैदानी स्तर से मितानिनों के माध्यम से या स्वस्फूर्त आने वाली गर्भवती महिलाओं को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में पदस्थ अनुबंधित चिकित्सक यदि लंबे समय से अनुपस्थित हैं तो उन्हें नोटिस जारी करके उच्च कार्यालय को पत्र प्रेषित किया जाए, ताकि संबंधित के विरूद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा सके। उन्होंने शासन द्वारा संचालित जनहित योजनाओं का सुचारू रूप से संचालन हो और शत-प्रतिशत उपलब्धि मिले, इसका ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में फाइलेरिया की दवा के सेवन के दिन जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शुभारंभ कराने का भी निर्देश दिया गया। साथ ही नेक्स जेन से संबंधित समस्त कार्य सुचारू रूप से संचालित करने कहा गया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को समस्त राष्ट्रीय कार्यकम का प्रशिक्षण सभी मैदानी कर्मचारियों को देने के निर्देश देते हुए की गई कार्रवाई का पालन प्रतिवेदन एक सप्ताह के भीतर प्रेषित करने के लिए कहा है।

मुआवजा प्रकरणों की जांच के लिए जिला स्तरीय दल गठित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विकासखण्ड मैनपाट के ग्राम उरंगा-बरिमा में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा अधिग्रहित भूमि के फसल क्षति मुआवजा वितरण के मामले को कलेक्टर अजीत वसंत ने त्वरित संज्ञान में लेते हुए निष्पक्ष जांच हेतु जिला स्तरीय दल का गठन किया है। जांच दल में सुनील कुमार नायक अपर कलेक्टर सरगुजा, अध्यक्ष अनिल कुमार साहू खनिज अधिकारी, सदस्य में तेजू यादव सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख, हूल सिंह, राजस्व निरीक्षक, राहुल सिंह राजस्व निरीक्षक शामिल हैं। कलेक्टर ने जांच दल को ग्राम उरंगा-बरिमा के फसल क्षति मुआवजा प्रकरणों की विस्तृत जांच कर एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

संभाग स्तरीय रोजगार मेले का 16 एवं 17 फरवरी को होगा आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उपसंचालक रोजगार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन सरगुजा संभाग में 16 एवं 17 फरवरी को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज अंबिकापुर में किया जाएगा। यहां निजी क्षेत्र, तकनीकी एवं गैर तकनीकी के रिक्तियों पर साक्षात्कार लिया जाएगा।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला हेतु सरगुजा संभाग के समस्त शिक्षित युवाओं को रोजगार मेला में सहभागिता हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर रोजगार पंजीयन एवं रोजगार मेले हेतु पंजीयन दोनों ही आवश्यक हैं। ऐसे आवेदक जिन्होंने ऑनलाइन पोर्टल ई-रोजगार पर अपना पंजीयन नहीं कराया है वे विभागीय पोर्टल पर अपना पंजीयन करवा सकते हैं। 09 फरवरी से वेबसाइट पर रिक्तियां प्रदर्शित होंगी। आवेदक 16 एवं 17 फरवरी को अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता, पासपोर्ट साइज फोटो, पहचान पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र इत्यादि दस्तावेजों के साथ निर्धारित स्थल पर उपस्थित होकर विभिन्न रिक्तियों में सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए रोजगार कार्यालय अंबिकापुर से संपर्क किया जा सकता है।

हायर सेकेंडरी स्कूल में कलेक्टर की अध्यक्षता में शिक्षक-पालक सम्मेलन संपन्न

कलेक्टर ने छात्रों से की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं पर चर्चा, बेहतर परीक्षा परिणाम का दिया मंत्र

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। बोर्ड की वार्षिक परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता और परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले में एसडीएम की अध्यक्षता में प्रति माह प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर मासिक मूल्यांकन, तिमाही, छमाही एवं प्री-बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की समीक्षा की जा रही है। शिक्षा विभाग द्वारा कलेक्टर के मार्गदर्शन में बोर्ड परीक्षा में छात्रों के बेहतर प्रदर्शन, विद्यार्थियों के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लक्ष्य तथा अनुकूल शैक्षणिक वातावरण निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

इसी कड़ी में शुक्रवार को हायर सेकेंडरी स्कूल भैयाथान में पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर एस. जयवर्धन ने की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने छात्रों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और परीक्षा की तैयारी से संबंधित उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने पालकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की पढ़ाई में आवश्यक सहयोग और सकारात्मक माहौल प्रदान करें। कलेक्टर ने छात्रों को नीट, जेईई (मेंस), सीजी पीएससी जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा को दबाव के रूप में नहीं, बल्कि उत्साह और आत्मविश्वास के साथ लें। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन, सही मार्गदर्शन और अनुशासन से सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। इस दौरान कक्षा 12वीं गणित के छात्र पीयूष कुशवाहा से संवाद करते हुए कलेक्टर ने आधुनिक तकनीकी, चैट, जीपीटी जैसे डिजिटल टूल्स के उपयोग से करियर निर्माण में सहयोग लेने की सलाह दी। छात्र ने जीमेंस की ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अपनी तैयारी के अनुभव भी साझा किए। कलेक्टर की इस पहल से छात्र एवं पालक काफी उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर एसडीएम चांदनी कंवर, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी फूलसाय मरावी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह, खंड स्रोत समन्वयक सुरेंद्र दुबे, प्राचार्य डी.के. राय सहित शिक्षक, पालक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मनरेगा के मूल स्वरूप को यथावत बनाए रखने की मांग, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के मूल अधिकार, आधारित स्वरूप में किए जा रहे कथित जनविरोधी बदलावों को लेकर कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर-रामानुजगंज के अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को भारत के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए केंद्र सरकार से मनरेगा के मूल स्वरूप को यथावत बनाए रखने की मांग की गई है।

ज्ञापन में उल्लेख है कि मनरेगा केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के करोड़ों परिवारों के लिए रोजगार का संवैधानिक अधिकार है। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे बदलावों से इस कानून को कमजोर किया जा रहा है, इसे अधिकार आधारित कानून से हटाकर सीमित प्रशासनिक योजना में बदला जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि मनरेगा अंतर्गत मजदूरी भुगतान में देरी, न्यूनतम मजदूरी निर्धारण में वास्तविक महंगाई की अनदेखी और पंचायतों व ग्राम सभाओं के अधिकारों में कटौती जैसे कदम ग्रामीण श्रमिकों की आजीविका पर सीधा हमला है। वर्तमान सरकार इससे ग्रामीण बेरोजगारी, सामाजिक असुरक्षा और आर्थिक असमानता बढ़ने की आशंका है। मांग की गई है कि मनरेगा के तहत पंचायतों एवं ग्राम सभाओं को योजना का निर्माण, क्रियान्वयन और निगरानी के पूर्ण संवैधानिक अधिकार दिए जाएं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे, और मनरेगा को उसके मूल अधिकार पर आधारित स्वरूप में यथावत रखा जाए। पंचायतों और ग्राम सभाओं को पूर्ण संवैधानिक अधिकार दिए जाएं। वर्तमान महंगाई को ध्यान में रखते हुए मनरेगा के तहत न्यूनतम मजदूरी दर बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन किया जाए, ताकि और लोगों को हर तरह परिवार चलाने मे सहायता मिल सके। कांग्रेसजनों का कहना है कि मनरेगा ने ग्रामीण भारत में समाजिक न्याय, समानता और गरिमा मजबूत किया जाए। यदि इसे यथावत नहीं रखा गया तो पार्टी ग्रामीण जनता के हित में आंदोलन करेगी। इस दौरान काफी संख्या में कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यक्तिगत सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करने आवेदन आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के सभी जिले में 'सखी' वन स्टॉप सेन्टर स्थापना की स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में जिले में संचालित 'सखी' वन स्टॉप सेन्टर में दैनिक कार्यों के संचालन व सभी सुसंगत कार्रवाई के लिए पैरा लीगल कार्मिक में वकील, पैरा मेडिकल कार्मिक, बहुउद्देशीय कर्मचारी, रसोईया एवं सुरक्षा गार्ड नाइट गार्ड (सेवाप्रदाता) के रिक्त पदों पर नियुक्ति किया जाना है। रिक्त पदों पर वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से चयन की कार्रवाई की जाएगी। इच्छुक महिला आवेदक निर्धारित 25 फरवरी को प्रात: 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कलेक्ट्रेट परिसर में अपना पंजीयन कराते हुए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। विज्ञापन की विस्तृत जानकारी सरगुजा जिले की वेबसाईट व कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

गायब युवक का शव जोड़ा तालाब में मिला, स्वजन हत्या का संदेह जता रहे

पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद वास्तविकता आएगी सामने, पुलिस जांच में जुटी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दो दिन से लापता युवक का शव कोतवाली थाना क्षेत्र के जोड़ा तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। शुक्रवार को आसपास के लोगों की नजर तालाब में एक युवक के शव पर पड़ी और इसकी सूचना कोतवाली थाना में दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान पुरूषोत्तम यादव के रूप में हुई है, जो ग्राम सिंगीटना, थाना लखनपुर क्षेत्र का रहने वाला था और अंबिकापुर स्थित अपने ससुराल में रहकर बिजली व पेंटर का काम करके जीवकोपार्जन करता था। स्वजन हत्या का संदेह व्यक्त कर रहे हैं।

शीतला वार्ड, जोड़ा तालाब निवासी मृतक के साला मुकेश यादव ने बताया कि उसके जीजा पुरूषोत्तम यादव दो दिन से लापता थे, जो काफी शांत स्वभाव के थे। इनके घर नहीं पहुंचने पर पूरा परिवार लगातार खोजबीन में लगा था, लेकिन उनका पता नहीं चल रहा था। शुक्रवार को जोड़ा तालाब में किसी का शव तैरने की जानकारी पास ही रहने वाले नेपाली युवक से मिली, जब वे मौके पर पहुंचे, तो शव उनके जीजा पुरूषोत्तम यादव का था। मुकेश यादव का कहना है कि दो दिन पूर्व उनके जीजा से किसी ने लड़ाई-झगड़ा किया था। ऐसे में किसी के द्वारा मारपीट करके शव को तालाब में डालने की संभावना जताई जा रही है। आरोप यह भी है कि जोड़ा तालाब इलाके में कई ऐसे घर हैं, जहां महुआ शराब धड़ल्ले से बिकता है। पुलिस को फोन करके जानकारी देने पर भी किसी प्रकार की कार्रवाई हुई हो, ऐसा सामने नहीं आया है। सेटिंग में पूरा कारोबार चल रहा है। बहरहाल घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को मौका पंचनामा की कार्रवाई पूरी करके मेडिकल कॉलेज अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मामला हत्या का है या कुछ और स्पष्ट होगा। पुलिस अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

फाईलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन को लेकर जिला समन्वय समिति की बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बुधवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभाकक्ष मंथन में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। सरगुजा जिले के सभी विकासखण्डों में फाईलेरिया उन्मूलन के तहत 10 फरवरी से 25 फरवरी तक फाइलेरिया रोधी दवा पूरे योग्य जनसमूह को खिलाई जाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2027 तक फाईलेरिया का उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। फाईलेरिया मुक्ति अभियान अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन के सफल क्रियान्वयन में सहयोग हेतु समस्त विभागों को कहा गया, ताकि कार्यक्रम का लाभ शत-प्रतिशत जनसमुदाय को प्राप्त हो सके। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को, जिला मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कोतवाली थाना से भागा नाबालिग पकड़ाया

अंबिकापुर। कोतवाली थाना में एक मामले में लाया गया नाबालिग, पुलिस की नरमदिली को देखकर मौका देखकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को नाबालिग बालक को कोतवाली पुलिस दबिश देकर अपने कब्जे में ली थी। पुलिस आरोपी बालक को बाल न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही थी, इसके पहले वह पुलिस की नजरों से बचकर भाग गया। पुलिस पुन: बालक के तलाश में लगी और रूनझुन तालाब के आसपास से पकड़कर थाने लाई, और बिना देर किए उसे बाल न्यायालय में पेश कर दिया।

फर्स्ट क्राई इंटेलीटॉट्स में वार्षिकोत्सव आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बिलासपुर चौक के पास स्थित फर्स्ट क्राई इंटेलीटॉट्स के वार्षिकोत्सव पर 7 फरवरी, शनिवार को सिम्फनी ऑफ कल्चर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें छोटे बच्चों के द्वारा म्यूजिक, डांस सहित अन्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी। नन्हें बच्चों के लिए यहां दी जाने वाली प्रस्तुतियों के लिए स्कूल प्रबंधन के द्वारा भव्य तैयारियां की गई हैं।

C M Y K

परीक्षा को उत्साह और आत्मविश्वास के साथ लें : जयवर्धन

हायर सेकेंडरी स्कूल भैयाथान में कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई पालक बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बोर्ड की वार्षिक परीक्षाओं को दृष्टिगत कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता और परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले में एसडीएम की अध्यक्षता में प्रति माह प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर मासिक मूल्यांकन, तिमाही, छमाही एवं प्री-बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की समीक्षा की जा रही है।

शिक्षा विभाग द्वारा कलेक्टर के मार्गदर्शन में बोर्ड परीक्षा में छात्रों के बेहतर प्रदर्शन, विद्यार्थियों के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लक्ष्य तथा अनुकूल शैक्षणिक वातावरण निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को हायर सेकेंडरी स्कूल भैयाथान में पालक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर एस. जयवर्धन ने की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने छात्रों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और परीक्षा की तैयारी से संबंधित उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने पालकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों की पढ़ाई में आवश्यक सहयोग और सकारात्मक माहौल प्रदान करें। कलेक्टर ने छात्रों को नीट, जेईई, सीजी पीएससी जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा को दबाव के रूप में नहीं, बल्कि उत्साह और आत्मविश्वास के साथ लें। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन, सही मार्गदर्शन और अनुशासन से सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। इस दौरान कक्षा 12वीं गणित के छात्र पीयूष कुशवाहा से संवाद करते हुए कलेक्टर ने आधुनिक तकनीक और चौट जीपीटी जैसे डिजिटल टूल्स के उपयोग से करियर निर्माण में सहयोग लेने की सलाह दी। छात्र ने जीमेंस की ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अपनी तैयारी के अनुभव भी साझा किए।

कलेक्टर की इस पहल से छात्र एवं पालक काफी उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर एस डी एम श्रीमती चांदनी कंवर, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी फुलसाय मरावी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह, खंड स्त्रोत समन्वयक सुरेंद्र दुबे, प्राचार्य डी.के. राय सहित शिक्षकगण एवं पालक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मां और बच्चे का स्वास्थ्य समाज की मजबूत नींव : चन्द्रमणि

प्रतापपुर के आंबा केंद्रों में हुआ सुपोषण चौपाल का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर के आंगनवाड़ी केंद्रों में गुरुवार को सुपोषण चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमे जिपं अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी पैकरा उपस्थित रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं, शिशुवती माताएं एवं उनके अभिभावक शामिल हुए।

सुपोषण चौपाल के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं अभिभावकों से पोषण, संतुलित खान-पान एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। गर्भावस्था एवं शिशु अवस्था के दौरान पौष्टिक आहार के महत्व, नियमित स्वास्थ्य जांच, आयरन कैल्शियम सेवन, स्वच्छता एवं टीकाकरण के विषय में आवश्यक जानकारी दी गई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि मां और बच्चे का स्वास्थ्य समाज की मजबूत नींव है, इसके लिए पोषण संबंधी जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी महिलाओं से सरकारी स्वास्थ्य एवं पोषण योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं सुपोषित समाज की दिशा में ठोस कदम उठाना रहा।

खेल गतिविधियाँ स्वास्थ्य व मानसिक स्फूर्ति हेतु आवश्यक : भूलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी के आतिथ्य में विकासखंड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक रामानुजनगर का समापन किया गया।प्रतियोगिता के दौरान 10 विभिन्न खेल विधाओं में जूनियर एवं सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मरावी ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक इस इस संभाग के सभी खिलाड़ियों को सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता से खिलाड़ियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और आगे बढ़ने की मिली प्रेरणा

भैयाथान विकासखंड में आयोजित सरगुजा ओलंपिक का समापन समारोह उत्साह और खेल भावना के साथ हुआ। इस खेल महोत्सव में कुल 1130 खिलाड़ियों ने भाग लेकर खेलों के प्रति क्षेत्र की मजबूत रुचि को दर्शाया। इनमें 511 महिला खिलाड़ी एवं 619 पुरुष खिलाड़ी शामिल रहे। आयोजन में जूनियर एवं सीनियर वर्ग के अंतर्गत 10 विधाओं में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं। जूनियर वर्ग में 381 पुरुष एवं 329 महिला खिलाड़ी, जबकि सीनियर वर्ग में 238 पुरुष एवं 182 महिला खिलाड़ियों ने सहभागिता की। समापन अवसर पर विशेष उपलब्धि के रूप में सबसे अधिक आयु वर्ग की सीनियर महिला खिलाड़ी के रूप में श्रीमती रुचि कुशवाहा 30 वर्ष ने गोला फेंक में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं सबसे अधिक आयु वर्ग के सीनियर पुरुष खिलाड़ी के रूप में श्री महेश्वर साहू 52 वर्ष ने बैडमिंटन में भाग लेकर सभी को प्रेरित किया। खिलाड़ियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सरगुजा ओलंपिक ने उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया। जूनियर खिलाड़ियों ने कहा कि इस मंच से उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली, वहीं सीनियर खिलाड़ियों ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि खेल उम्र का मोहताज नहीं होता और नियमित खेल गतिविधियाँ स्वास्थ्य व मानसिक स्फूर्ति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। समापन समारोह ने यह संदेश दिया कि सरगुजा ओलंपिक केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि खेलों के माध्यम से स्वस्थ समाज और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का एक सशक्त प्रयास है। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम में खेलप्रेमी नागरिक, जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जमड़ी माँ भवानी मंदिर में हुआ भव्य मुख्य द्वार का लोकार्पण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। श्रद्धा, समर्पण और सनातन परंपरा की दिव्य छटा के बीच जमड़ी भैयाथान स्थित माँ भवानी मंदिर में अब आस्था का एक नया अध्याय जुड़ गया। माता रानी की कृपा और श्रद्धालुओं के सामूहिक सहयोग से निर्मित मंदिर का भव्य मुख्य द्वार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवती स्वरूपा कन्याओं के कर-कमलों से लोकार्पित हुआ। जैसे ही कन्याओं ने विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत द्वार का उद्घाटन किया, पूरा परिसर जय माता दी के जय घोष से गूंज उठा। यह लोकार्पण केवल एक स्थापत्य निर्माण का उद्घाटन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और सामूहिक भक्ति का जीवंत प्रतीक बनकर सामने आया। वैदिक विधि-विधान, मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुए इस आयोजन ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक भाव से सराबोर कर दिया। श्री नवयुवक दुर्गा मंडल, सूरजपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में माता-भक्त, ग्रामीणजन और नागरिक सपरिवार उपस्थित रहे।

लोकार्पण के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद स्वरूप सामूहिक भंडारे की व्यवस्था की गई थी, जिसमें भक्ति के साथ सामाजिक सौहार्द भी देखने को मिला। श्री नवयुवक दुर्गा मंडल के प्रमुख मदनलाल अग्रवाल ने कहा कि यह मुख्य द्वार केवल ईंट-पत्थर का निर्माण नहीं, बल्कि माता भवानी के प्रति अटूट आस्था, युवाओं की सक्रिय सहभागिता और समाज की एकजुट भावना का प्रतीक है। उन्होंने इसे भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बताया। आयोजन की गरिमा और अनुशासन बनाए रखने के लिए मंडल के सभी सदस्य निर्धारित गणवेश में समय से पूर्व उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कुल मिलाकर, वैदिक मंत्रों की गूंज और कन्याओं के कर-कमलों से खुले इस द्वार ने न केवल मंदिर परिसर को, बल्कि उपस्थित हर श्रद्धालु के मन को भी आस्था और विश्वास से आलोकित कर दिया। इस आयोजन में धर्मवीर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, नरेश बंसल, रमेश अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

दूरस्थ गांवों तक दस्तक दे रही मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में पशुपालकों को पशु चिकित्सा सुविधाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरकर सामने आई है। यह पहल उन ग्रामों तक निःशुल्क, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण पशु चिकित्सा सेवाएँ पहुँचा रही है, जहाँ तक पूर्व में पशु चिकित्सा सुविधाओं की पहुँच सीमित थी। लेकिन अब पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा पशुपालकों की आय सुदृढ़ करने की दिशा अच्छी पहल साबित हो रही है।

जिले में पशुपालकों को सुलभ, त्वरित एवं निःशुल्क पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाईल पशु चिकित्सा ईकाई का सफल संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं उप संचालक पशुपालन डॉ. शिशिर कांत पाण्डेय के नेतृत्व में जिले के सभी विकासखण्डों में कुल 06 मोबाईल वेटनरी यूनिट वाहनों का निर्धारित रूट चार्ट अनुसार सुचारू एवं नियमित संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रत्येक मोबाईल वेटनरी यूनिट वाहन के द्वारा प्रतिदिन 03 ग्रामों में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर के माध्यम से पशुपालकों को आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इन शिविरों के माध्यम से पशु उपचार, औषधि वितरण, कृमिनाशक दवा पान, डिटिकिंग, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं दी जा रही

हैं। अब पशुपालकों को पशुओं के ईलाज के लिए चिकित्सालयों की दौड़ नहीं लगानी पड़ती। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई सीधे गांव पहुंचकर निःशुल्क त्वरित और गुणवतापूर्ण पशु चिकित्सा सेवाएं दे रही है। इससे समय और पैसे की बचत दोनों हो रही है। साथ ही पशुओं का समय पर उपचार संभव हो पाया है।

उप संचालक पशुपालन डॉ. शिशिर कांत पाण्डेय ने जानकारी दी है कि मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई द्वारा अब तक कुल 12,327 शिविर आयोजन किया गया है। जिसमे 1,08,698 पशुओं का टीकाकरण, 1,46,471 पशुओं का उपचार, 72,024 औषधि वितरण, 47,219 नमूना जाँच, 11,305 बधियाकरण तथा 506 कृत्रिम गर्भाधान शामिल हैं। वर्तमान में मोबाइल वेटनरी यूनिट की टीमें जिले के सभी विकासखण्डों के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में निरंतर भ्रमण कर चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन भी कर रही हैं। इसके अंतर्गत मौसमी टीकाकरण की जानकारी, पशुपालक संगोष्ठियों एवं पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं से लाभान्वित होने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। प्रत्येक मोबाईल यूनिट में 01 पशु चिकित्सक, 01 पैरावेट एवं 01 अटेंडेंट सह चालक के साथ आवश्यक दवाइयाँ एवं आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध रहते हैं। इसके फलस्वरूप दूरस्थ क्षेत्रों में पशुपालकों को घर के निकट निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण पशु चिकित्सा सुविधा मिल रही है,

राज्य शासन द्वारा पशुपालकों की सुविधा हेतु 1962 टोल-फ्री नंबर भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से सड़क दुर्घटना में घायल अथवा घर पर बीमार पशुओं का त्वरित एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। घर-पहुँच सेवा से पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है, जिससे दूध, मांस एवं अंडा उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ पशुपालकों की आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई जिले में पशुपालन को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है।

गुटबाजी के बीच जारी रहा जिला कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संघर्ष

0 संघर्ष में भी एकजुट नहीं रह पाई कांग्रेस 0 रैली, धरना प्रदर्शन व कलेक्ट्रेट घेराव के बाद जिला प्रशासन को सौपा गया ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला कांग्रेस के द्वारा शुक्रवार को किये गए धरना प्रदर्शन में एक बार फिर गुटबाजी सामने आई है। इस आयोजन में पूर्व विधायको सहित ब्लाक कांग्रेस के पदादिकारी व कार्यकर्ताओं ने पूर्व के कार्यक्रमों की भांति दूरी बनाते हुए आयोजन में शामिल नहीं हुए। जिससे जिला कांग्रेस का यह आयोजन फीका दिखाई दिया और राजनीति गलियारों में कांग्रेस की अंतर्कलह व गुटबाजी की चर्चाएं आम रही। शुक्रवार को मनरेगा का नाम बदलने एवं इस कानुन को कमजोर करने की साजिश, एसएआर मे फर्जी तरीके से नाम काटने एवं राहुल गांधी को संसद मे नही बोलने देने से नाराज कांग्रेसियों ने यहां जिला मुख्यालय में रैली, धरना प्रदर्शन व कलेक्ट्रेट घेराव कर क्लेक्टर के नाम ज्ञापन सौपा है। जिला कांग्रेस के इस आयोजन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। कांग्रेसियों ने यहां अग्रसेन चौक से एक रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे जगह धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन जिला प्रशासन को सौपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि रोजगार गारंटी का कानून जो कि यू.पी.ए. सरकार के कार्यकाल

मे बनाया गया था, उससे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाने एवं इस कानून को कमजोर करने की कोशिश केन्द्र की मोदी सरकार कर रही है। मनरेगा के माध्यम से देश के सैकड़ो परिवारो को रोजगार उपलब्ध होता था परन्तु केन्द्र सरकार लगातार रोजगार की इस गारंटी को खत्म करने का प्रयास कर रही है। वहीं एस.आई.आर के अन्तर्गत जिले मे कई जगहो पर अल्पसंख्यक समुदाय को टार्गेट बनाकर फर्जी आपत्तियां दर्ज कर एवं फर्जी हस्ताक्षर कर नाम हटवाये जा रहे है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता एवं संसद मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में बोलने नही दिया जा रहा है। श्री गांधी ने संसद मे कई बार सत्तापक्ष का भंडाफोड़ किया जिससे मोदी सरकार घबरा रही है और उन्हे साजिश के तहत बोलने नही दिया जा रहा है जो कि लोकतंत्र की परम्परा के विपरित है। उक्त मुद्दो एवं मांगो को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा विरोध स्वरूप कलेक्टर का घेराव कर ज्ञापन सौंपा गया है।

आयोजन के दौरान अनिल गुप्ता, विद्यासागर सिंह, ईस्माइल खान, नरेंद्र जैन, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल,नवीन जायसवाल, विमलेश तिवारी, राजेन्द्र यादव, राम कुमार बंछोर, विमला सिंह, जरीना सुल्ताना, लिली राजवाड़े, दिव्या तांजे, संजीव श्रीवास्तव, जगतलाल आयाम, कमल बिहारी टेकाम, महेंद्र साहू, अरविंद यादव, आलोक साहू, बिहारी कुलदीप, इम्तियाज जफर, अंशुल पांडेय, परमेश्वर राजवाड़े, कुंदन विश्वकर्मा, विजय साहू, शान्तु डोसी, गिरधारी साहू, वेद प्रकाश मिश्रा, मिस्टर हुसैन, दीपक साहू, लिवनेश सिंह, अविनाश साहू, राजपाल कसेरा, शांतनु सिंह, जमील सिद्दकी, सैय्यद आमिल, सहित सूरजपुर, रामानुजनगर, प्रेमनगर, ओड़गी, भैयाथान, सलका, लटोरी, प्रतापपुर, भटगांव, जरही, बिश्रामपुर, शिवनन्दनपुर, बिहारपुर क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला 16 एवं 17 फरवरी को अंबिकापुर में आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ से प्राप्त निर्देशानुसार सरगुजा संभाग के मुख्यालय अंबिकापुर, में संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 16 एवं 17 फरवरी 2026 को किया जाना प्रस्तावित है। इस रोजगार मेले का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा निजी क्षेत्र के नियोजकों को उपयुक्त मानव संसाधन प्रदान करना है। इस संबंध में जिला रोजगार अधिकारी ने बताया है कि उक्त रोजगार मेले में ऐसे निजी क्षेत्र (प्राइवेट संस्था) के नियोजकों को आमंत्रित किया गया है, जो अपनी संस्था में उपलब्ध रिक्त पदों की पूर्ति इस मंच के माध्यम से करना चाहते हैं। यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

इच्छुक नियोजक अपनी रिक्तियों की अधिसूचना निर्धारित प्रपत्र में 13 फरवरी 2026 तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, बलरामपुर में व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक के माध्यम से जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अधिसूचना ई-मेल आईडी employmentofficeamb@rediffmail.com के माध्यम से भी प्रेषित की जा सकती है।

प्रस्तावित रोजगार मेले में भाग लेने के लिए निजी क्षेत्र के नियोजकों का पंजीयन अनिवार्य है। पंजीयन हेतु संस्था से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करना आवश्यक होगा, जिसमें संस्था/कंपनी प्रमुख का नाम, जीएसटी नंबर अथवा फर्म पंजीयन क्रमांक, पैन नंबर/टैन नंबर, मोबाइल नंबर, पूर्ण पता एवं ई-मेल आईडी शामिल है। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक निजी संस्थाओं से इस रोजगार मेले में सहभागिता कर स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री के निर्णय से किसान परिवार को मिली आर्थिक राहत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था के तहत् 5 एवं 6 फरवरी 2026 को शेष किसानों से धान खरीदी का निर्णय लिया गया। शासन की संवेदनशील नीतियों और निर्णयों ने किसानों को संबल प्रदान किया है। इसका जीवंत उदाहरण जिले के ग्राम अधौरा निवासी किसान बुधन एक्का है। बुधन एक्का अपनी पत्नी प्रतिमा एक्का के साथ पहली बार बलरामपुर धान खरीदी केंद्र पर धान विक्रय के लिए पहुंचे। उनके पास कुल 2 एकड़ कृषि भूमि है जिसमें इस वर्ष उन्होंने धान की फसल ली। फसल अच्छी

होने के बावजूद निर्धारित अवधि में धान विक्रय नहीं कर सके। इस स्थिति ने उन्हें गहरी चिंता में डाल दिया था, क्योंकि निजी व्यापारियों को कम दाम पर धान बेचने की मजबूरी सामने थी। इसी बीच प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा शेष किसानों के लिए धान खरीदी अवधि में वृद्धि का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। निर्णय बुधन एक्का जैसे सैकड़ों किसानों के लिए राहत बनकर सामने आया। समय-वृद्धि के पश्चात वे शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर अपनी धान का विक्रय कर सके। बुधन एक्का ने खरीदी केंद्र में कुल 40 बोरी धान का विक्रय किया।

इस दौरान बुधन एक्का की पत्नी ने भावुक होकर कहा कि यदि शासन ने धान खरीदी की अवधि नहीं बढ़ाई होती तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता। मुख्यमंत्री के इस फैसले ने उन्हें संबल प्रदान किया है। उन्होंने इस जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

आम आदमी पार्टी को एमसीबी में बड़ा झटका, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद कासिम ने दिया इस्तीफा

पार्टी में अराजकता, गुटबाज़ी और तानाशाही रवैये का लगाया गंभीर आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी) । आम आदमी पार्टी को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद कासिम ने अपने सभी पदों एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष आम आदमी पार्टी, छत्तीसगढ़ के नाम भेजा है। इस्तीफे में मोहम्मद कासिम ने पार्टी की आंतरिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि पार्टी के भीतर

अराजकता, अंदरूनी गुटबाज़ी, तानाशाही रवैया और आम कार्यकर्ताओं की आवाज़ को दबाने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय तक तन-मन-धन से पार्टी को देने के बावजूद जमीनी कार्यकर्ताओं के सम्मान और सुझावों की अनदेखी की जाती रही, जिससे वे गहरे रूप से आहत हैं। मोहम्मद कासिम ने अपने पत्र में लिखा कि जिस उद्देश्य और विचारधारा के साथ आम आदमी पार्टी का गठन हुआ था, आज पार्टी की वास्तविक कार्यशैली उससे कोसों दूर नजर आती है। आम आदमी की आवाज़ अब केवल कागज़ों और बयानों तक सीमित रह गई है, जबकि ज़मीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को लगातार दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात एक ईमानदार और समर्पित कार्यकर्ता के लिए असहनीय हो चुके हैं, जिसके चलते उन्होंने तत्काल प्रभाव से पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया।

मोहम्मद कासिम के इस्तीफे को एमसीबी जिले में आम आदमी पार्टी के संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। राजनीतिक हलकों में इसे पार्टी की अंदरूनी कलह और संगठनात्मक कमजोरी का संकेत माना जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी नेतृत्व इस इस्तीफे पर क्या प्रतिक्रिया देता है और संगठन को संभालने के लिए क्या कदम उठाता है।

खनिज उड़नदस्ता दल ने अवैध रेत उत्खनन करते किया पोकलेन जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी) । खनिज उड़नदस्ता दल ने अवैध रूप से रेत उत्खनन करते एक पोकलेन मशीन को जब्त करने की कार्यवाही किया है । मिली जानकारी के अनुसार कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला एमसीबी को स्थानीय आम नागरिकों द्वारा ग्राम पंचायत बिछियाटोला स्थित रेत खदान में पोकलेन चैन माउंटेड मशीन से अवैध रेत उत्खनन किए जाने संबंधी लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के निर्देशन में जिला खनिज उड़नदस्ता टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। 02 फरवरी 2026 को उड़नदस्ता टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें पोकलेन मशीन के माध्यम से रेत उत्खनन किए जाने की पुष्टि हुई। टीम द्वारा संबंधित पोकलेन मशीन को जप्त कर सीलबंद किया गया तथा आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई। प्रकरण में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अवैध उत्खनन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए आमजन से किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत हैंडपंप तकनीशियन व जल मित्रों का प्रशिक्षण संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (प्रशिक्षण वर्ष 2025-26) के अंतर्गत जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन द्वारा समस्त हैण्डपंप तकनीशियन एवं जल मित्रों के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना (मॉडल जीपीडीपी) विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, जल आपूर्ति व्यवस्था के प्रभावी संचालन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान जल जीवन मिशन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई तथा फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके व्यावहारिक समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर एवं जिला समन्वयक (सीडीएटी) रितेश डिक्सेना ने प्रतिभागियों को तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं आईईसी प्रतिनिधि नवीन कुमार की भी सक्रिय सहभागिता रही। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने ग्राम पंचायत विकास योजना की प्रक्रिया, जल स्त्रोतों के संरक्षण, हैंडपंपों के रखरखाव एवं ग्रामीण जल प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में शामिल हैंडपंप तकनीशियनों एवं जल मित्रों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ग्राम स्तर पर योजनाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी में युवाओं ने दिखाई खेल प्रतिभा

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। मनेंद्रगढ़ स्थित सद्भावना स्टेडियम, नई लेदरी में जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक 2026 का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित इस दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, उनमें सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा। आयोजन के माध्यम से जिले में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने और नई खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया। प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल गतिविधियों में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने हुनर व खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह, जोश और खेल भावना दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। प्रतियोगिता ने युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया तथा उन्हें खेलों के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी एमसीबी श्री विनोद जायसवाल ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, खेल प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सफल, प्रेरणादायी एवं युवाओं के लिए लाभकारी बताया। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम बना वरदान

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (जीवनधारा) के अंतर्गत जिले में किडनी रोगियों को निःशुल्क हेमोडायलिसिस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे अब तक पांच हजार से अधिक मरीजों को लाभ मिल चुका है। यह सुविधा विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिन्हें पहले उपचार के लिए अन्य जिलों अथवा राज्य के बाहर जाना पड़ता था।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि जिले में 01 अक्टूबर 2024 से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था, जिसका उद्घाटन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा किया गया था। बीते डेढ़ वर्ष में अब तक 5,210 से अधिक मरीजों का सफल डायलिसिस किया जा चुका है। इनमें नेगेटिव 3503, पॉजिटिव (सी) 1474 तथा पॉजिटिव (बी) 232 मरीज शामिल हैं। वर्तमान में मनेन्द्रगढ़ स्थित 220 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय में यह सुविधा पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि डायलिसिस उन मरीजों के लिए आवश्यक होती है जिनकी किडनी की कार्यक्षमता 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावित हो चुकी होती है। विशेष रूप से स्टेज-5 क्रोनिक किडनी रोग, अचानक किडनी फेल्योर, अनियंत्रित मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी जटिलताओं से पीड़ित मरीजों को इस उपचार की आवश्यकता पड़ती है। डायलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से शरीर से अपशिष्ट पदार्थ एवं अतिरिक्त तरल को बाहर निकालकर मरीजों को राहत दी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जब किडनी शरीर की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हो जाए, शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगें, अत्यधिक थकान, उल्टी, सांस लेने में तकलीफ अथवा फेफड़ों में पानी भरने जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तब डायलिसिस आवश्यक हो जाती है। यह प्रक्रिया मरीज की स्थिति के अनुसार अस्थायी या स्थायी दोनों प्रकार की हो सकती है। जिला अस्पताल में उपलब्ध इस निःशुल्क सुविधा से मरीजों का आर्थिक बोझ कम हुआ है तथा उन्हें समय पर उपचार मिल रहा है, जिससे जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और भरोसा दोनों बढ़े हैं।

हाई स्कूल कंजिया में स्वास्थ्य विभाग जनकपुर का बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। स्वास्थ्य विभाग जनकपुर के तत्वावधान में शासकीय हाई स्कूल कंजिया में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए मानसिक स्वास्थ्य, आयुष चिकित्सा एवं बाल नेत्र सुरक्षा विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। शिविर के दौरान छात्रों को मानसिक तनाव से निपटने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आयुष चिकित्सा सत्र में प्राकृतिक जीवनशैली, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और दैनिक दिनचर्या में सुधार के उपाय बताए गए। वहीं बाल नेत्र सुरक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों की आंखों की जांच कर उन्हें डिजिटल स्क्रीन से होने वाले दुष्प्रभावों तथा आंखों की देखभाल के आवश्यक सुझाव प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सफल संचालन में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. रमन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवपाल सिंह ने आयुष एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों पर जानकारी दी। विकास खंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान ने कार्यक्रम के समन्वय एवं प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाई। नेत्र सहायक अधिकारी आर.एस. चेचाम ने विद्यार्थियों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और समय पर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ मिलता है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में परीक्षा पे चर्चा, पीएम मोदी के टिप्स से विद्यार्थियों में बढ़ा आत्मविश्वास

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का नौवां संस्करण विद्यार्थियों के लिए उत्साह और प्रेरणा से भरपूर रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संवाद को सुनते हुए छात्र-छात्राओं ने परीक्षा से जुड़े तनाव को दूर करने और बेहतर तैयारी के लिए कई उपयोगी टिप्स सीखे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि परीक्षा को बोझ नहीं बल्कि

उत्सव की तरह लें। उन्होंने समय प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन बनाए रखने पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को रोजाना अपने कार्यों की योजना बनाने, साथियों के साथ सहयोग बढ़ाने और निरंतर अभ्यास करने की सलाह दी। कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रामाश्रय शर्मा, ए.पी.सी. सूर्योदय सिंह, ए.डी.पी.ओ. गणेश यादव सहित शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी और प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इससे परीक्षा के प्रति उनका डर कम हुआ और तैयारी के प्रति नई ऊर्जा मिली। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण में सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे शिक्षा प्रणाली को अधिक छात्र-केंद्रित बनाने में मदद मिलती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा